दैनिक
सीहोर जिले का प्रथम दैनिक
RNI No.MPHIN/2003/10309

# क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे
सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-81 सीहोर, बुधवार 13 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

**बापू की बातें**

क्या मैं ब्रह्मचर्य, सत्य और अहिंसा को महज इसलिए त्याग दूँ कि मेरे चारों ओर इनके विपरीत आचरण किया जा रहा है? नहीं, मुझे अपना कार्य इस विश्वास के साथ जारी रखना होगा कि मेरा तरीका सही है, भले ही इस तरीके से काम करने वाला अकेला में ही क्यों न रह जाऊँ।

(09.05.1925 : तालटोला के कार्यकर्ताओं की बैठक में दिए गए भाषण का अंश: सं.गां.वां. खंड 27 : पृष्ठ 67)

## नीट-यूजी परीक्षा रद्द :पेपर लीक के आरोपों के बाद सीबीआई को सौंपी गई जांच

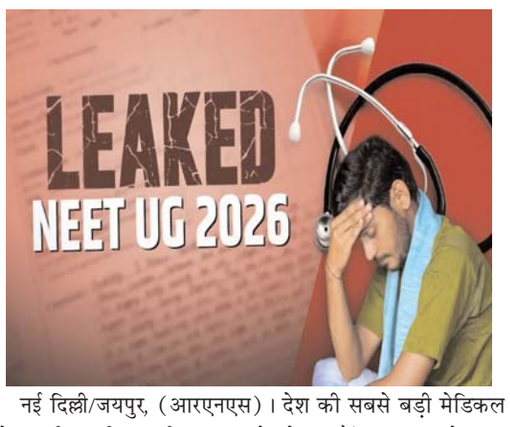


नई दिल्ली/जयपुर, (आरएनएस)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राजस्थान में पेपर लीक के पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद, 3 मई 2026 को आयोजित हुई इस परीक्षा को रद्द (Cancel) कर दिया गया है। अब इस पूरे प्रकरण की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) द्वारा की जाएगी। राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ था कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही 600 से अधिक अंकों के प्रश्न लीक हो गए थे। जांच रिपोर्ट के अनुसार, पेपर एक संगठित गिरोह के माध्यम से लीक किया गया था। इसी गंभीर गड़बड़ी को आधार मानते हुए परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए इसे रद्द करने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा की स्थिति: 3 मई को देश भर में हुई परीक्षा अब पूरी तरह अमान्य है।

जांच का जिम्मा : राजस्थान पुलिस की SOG के बाद अब CBI इस मामले की तह तक जाएगी ताकि मुख्य साजिशकर्ताओं को पकड़ा जा सके। छात्रों पर असर : लगभग 24 लाख से अधिक छात्रों को अब दोबारा परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नई तारीख : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा नई परीक्षा तिथियों का ऐलान जल्द ही किया जाएगा।

### छात्रों में आक्रोश और असमंजस

परीक्षा रद्द होने की खबर मिलते ही देश भर के छात्रों और अभिभावकों में रोष देखा जा रहा है। जहां एक ओर छात्र इसे अपनी कड़ी मेहनत पर पानी फिरने जैसा बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पेपर लीक से प्रभावित योग्य उम्मीदवारों ने इसे निष्पक्षता के लिए जरूरी कदम बताया है।

### *सरकार का पक्ष*

परीक्षा की पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सीबीआई जांच सुनिश्चित करेगी कि दोषियों को सख्त सजा मिले और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

### पेपर लीक मामले में अब तक 15 पकड़े गए, जयपुर से कथित मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नईदिल्ली, (आरएनएस)। पेपर लीक के कारण रद्द हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने मंगलवार को 2 लोगों को हिरासत में लिया है, जिसमें से एक को पेपर लीक का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। इनकी पहचान मनीष यादव और राकेश मंडावरिया के रूप में हुई है। मनीष को जयपुर में हिरासत में लिया गया है। दोनों की प्रश्न-पत्र प्रसारित करने में भूमिका है।रिपोर्ट के मुताबिक, पेपर लीक मामले में सीकर, झुंझनू और देहरादून से अब तक 15 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि सबसे पहले कथित अनुमान-पत्र सीकर के छात्रों को 1 मई को मिला था, जिसमें से 120 से 140 हुबहू प्रश्न 3 मई की नीट परीक्षा में आए थे। यह प्रश्न-पत्र छात्रों से होते हुए कोचिंग संचालकों तक पहुंचा था। शिकायत के बाद इसकी जांच शुरू हुई थी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि केंद्रीय एजेंसियों की सूचना के बाद 3 मई को हुई नीट-यूजी 2026 की परीक्षा रद्द कर दी गई है। परीक्षा दोबारा होगी, जिसकी तारीख जल्द घोषित की जाएगी। परीक्षा के लिए नए पंजीकरण की जरूरत नहीं होगी, कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। छात्रों के मौजूदा पंजीकरण डेटा और परीक्षा केंद्र पहले के रहेंगे।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की अपील पर अपने कारकेड में घटाई वाहनों की संख्या

***राष्ट्र हित में पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने पर मध्यप्रदेश में होगा अमल, निर्देश जारी***

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आहवान पर आगामी आदेश तक अपने कारकेड में वाहनों की संख्या कम कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को राज्य मंत्री परिषद की बैठक में मंत्री परिषद के सदस्यों से वर्तमान वैश्विक संकट को ध्यान में रखते हुए पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने सहित राष्ट्र हित में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्रोत्साहित करने की अपील की थी। मध्यप्रदेश गंभीरता से इस पर अमल करेगा। इस तारतम्य में राज्य सरकार ने आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। आगामी आदेश तक मुख्यमंत्री के कारकेड में 13 वाहनों के स्थान पर 8 वाहन ही चलेंगे। उनके भ्रमण के समय वाहन रैली आयोजित नहीं की जाएगी। सभी मंत्रीगण यात्रा में न्यूनतम वाहनों का प्रयोग करेंगे। यह भी निर्देश जारी किए गए हैं कि नव नियुक्त निगम-मंडल के पदाधिकारी सादगी से कार्यभार ग्रहण करें और वाहन रैली आयोजित न करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के आहवान और दिए गए सुझावों के अनुरूप मध्यप्रदेश में शासकीय कार्यों में मितव्ययता के उपायों पर अमल करने को कहा है। मंत्रीगण सहित निगम-मंडल के पदाधिकारियों और आम नागरिकों से वाहनों के कम से कम प्रयोग करने, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने और अनावश्यक रूप से वाहनों का उपयोग न किए जाने को कहा गया है।

### नीट-यूजी दोबारा परीक्षा का शेड्यूल 7-10 दिनों में जारी होगा, एनटीए चीफ ने दी जानकारी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक (डीजी) अभिषेक सिंह ने मंगलवार को कहा कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा दोबारा कराने का शेड्यूल अगले 7 से 10 दिनों में जारी कर दिया जाएगा. उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि कथित पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है.पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद केंद्र सरकार ने मंगलवार को नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया. एनटीए ने एक बयान में स्पष्ट किया कि दोबारा परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को नए सिरे से रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होगी, और न ही कोई अतिरिक्त फीस ली जाएगी.बाद में, नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए एनटीए डीजी सिंह ने कहा कि एजेंसी अपनी टीम के साथ मिलकर दोबारा परीक्षा की तारीखें निर्धारित कर रही है ।

## असम में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हिमंता सरमा, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

दिसपुर (आरएनएस)। असम की राजनीति में मंगलवार का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब हिमंता बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह असम में लगातार दो कार्यकाल तक मुख्यमंत्री बनने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता बन गए। गुवाहाटी में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने रविवार को उन्हें एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री नियुक्त किया था। असम में यह एनडीए सरकार का लगातार तीसरा कार्यकाल भी है। इससे पहले 2016 में भाजपा के नेतृत्व में पहली बार सर्बानंद सोनोवाल मुख्यमंत्री बने थे, जबकि 2021 में हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य की कमान संभाली थी।

### शपथ से पहले बड़ी चूक, कई जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली(आरएनएस)। असम में हिमंत बिस्वा सरमा के शपथग्रहण स्थल से एक व्यक्ति को बंदूक की गोलियों के साथ दबोचा गया है। पुलिस के मुताबिक, खानपारा स्थित वेटरनरी कॉलेज मैदान के एंट्रेंस पर सुरक्षा जांच के दौरान उसके पास से जिंदा कारतूस बरामद हुए।आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। उसे वशिष्ठ पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि व्यक्ति के पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है।एक पुलिस अधिकारी ने कहा, गोलियों की बरामदगी से जुड़े हालात और इसमें किसी सुरक्षा खतरे की आशंका है या नहीं, यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है। यह घटना हिमंत को शपथ दिलाने से कुछ मिनट पहले ही हुई। मंच पर प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह समेत कई बड़े नेता मौजूद थे

### देश के 1 लाख स्कूलों में सिर्फ एक टीचर, नीति आयोग की रिपोर्ट ने खोली स्कूल एजुकेशन सिस्टम की पोल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। नीति आयोग की जारी एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दस सालों में भारत के स्कूल शिक्षा प्रणाली में काफी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन देश भर में हजारों स्कूल ऐसे हैं जहां अभी भी बिजली, टॉयलेट, पीने का पानी और डिजिटल सुविधाओं जैसे बुनियादी आवश्यकताओं की भारी कमी है.टेम्पोरल एनालिसिस एंड पॉलिसी रोडमैप फॉर क्वालिटी एनहांसमेंट, देश के एजुकेशन सेक्टर में तरक्की और लगातार असमानता की मिली-जुली तस्वीर दिखाती है. हालांकि 2014-15 और 2024-25 के बीच कुल मिलाकर स्कूलों के बुनियादी जरूरतों की चीजों में सुधार हुआ है. हालांकि, शोध में बताया गया है कि, खासकर ग्रामीण, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर इलाकों में सीखने की स्थितियों पर गंभीर कमियां अभी भी असर डाल रही हैं,भारत में लगभग 14.71 मिलियन स्कूल लगभग 24.69 करोड़ छात्रों को शिक्षा देते है.।

## नीट पेपर लीकः राहुल गांधी ने भ्रष्ट भाजपा व्यवस्था का नतीजा बताया

### प्रधानमंत्री का तथाकथित अमृतकाल, देश के लिए विषकाल बना

नई दिल्ली,(ए.)। नेशनल एंट्रेंस कम एलिजिबिलिटी टेस्ट (नीट) यूजी 2026 का पेपर लीक होने के बाद रद्द कर दिया गया है। लेकिन बच्चों के भविष्य के साथ इस तरह के खिलवाड़ के बाद देशभर में बवाल मच गया है। नीट 2026 की परीक्षा रद्द होने पर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला कर भ्रष्ट भाजपा व्यवस्था का नतीजा बताया है। एसओजी इस घटनाक्रम को पेपर लीक नहीं मान रही है, लेकिन यह बात मान रही है वायरल गेस पेपर से 120 सवाल हूबहू मुख्य परीक्षा में आए थे। विरोध के बाद इसकी जांच का जिम्मा सीबीआई को दे दिया गया है। वहीं विपक्षी पार्टी केंद्र सरकार पर निशाना साध रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, नीट 2026 की परीक्षा रद्द हुई, 22 लाख से अधिक छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपा व्यवस्था ने कुचल दिया। किसी पिता ने कर्ज लिया, किसी मां ने गहने बेचे, लाखों बच्चों ने रात-रात भर जागकर पढ़ाई की और बदले में मिला पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार आपके सामने है।

## सुवेंदु के पीए चंद्रनाथ की हत्या की जांच अब सीबीआई करेगी

### -डीआईजी रैंक के अधिकारी की अगुवाई में स्पेशल एसआईटी गठित

कोलाकाता,(ए)। पश्चिम बंगाल में सीएम सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या का मामला पश्चिम बंगाल सरकार की सिफारिश के बाद राज्य पुलिस से सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया है। औपचारिक अधिसूचना जारी होने के बाद सीबीआई इस मामले में कार्रवाई शुरू करेगी। सीबीआई के मुताबिक इस मामले को संभालने के लिए डीआईजी रैंक के एक अधिकारी की अगुवाई में एक स्पेशल एसआईटी गठित की है। यह सीबीआई, एसआईटी कोलकाता के जॉइंट डायरेक्टर की देखरेख में काम करेगी, और इसमें कोलकाता सीबीआई यूनिट के अधिकारी भी शामिल होंगे। सीबीआई की अलग-अलग यूनिट के अधिकारियों वाली सात-सदस्यीय टीम गठित की गई है, दिल्ली सीबीआई यूनिट के डीआईजी पंकज सिंह इस टीम की अगुवाई करेंगे।

*स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्यों और समर्थकों ने नई दिल्ली में कथित नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।*

### मध्य प्रदेश में बढ़ा गर्मी का कहर, 6 जिलों में लू की चेतावनी, रतलाम फिर 45 डिग्री पर पहुंचा

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में आंधी और बारिश का दौर थमते ही भीषण गर्मी ने फिर से असर दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार को रतलाम और झाबुआ समेत कई जिलों में लू का असर देखने को मिला। रतलाम में तापमान लगातार दूसरे दिन 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए उज्जैन, धार, आलीराजपुर, बड़वानी, रतलाम और झाबुआ में हीट वेव का अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में तेज गर्मी और लू का असर बना रहेगा। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

### कूनो से आई बुरी खबर, एक झटके में उजड़ गया मादा चीता का कुनबा; 4 शावकों के खाए हुए मिले शव

श्योपुर (ए.)। मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक बार फिर बेहद बुरी और दुखी करने वाली खबर सामने आई है। यहां पार्क के जंगल में जन्मी मादा चीता KGP12 के चारों शावकों की दर्दनाक मौत हो गई है। मंगलवार, 12 मई 2026 की सुबह जब वन विभाग की मॉनिटरिंग टीम श्योपुर टेरिटोरियल डिवीजन में गश्त पर थी, तब उन्हें डेन साइट (मांद) के पास इन चारों शावकों के शव मिले। इस बड़ी घटना के बाद से कूनो प्रबंधन और वन्यजीव विभाग में भारी हड़कंप मचा हुआ है। कूनो प्रबंधन द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, मारे गए इन चारों शावकों का जन्म 11 अप्रैल 2026 को ही हुआ था और वे अभी महज एक महीने के ही थे। दिल दहला देने वाली बात यह है कि मौके पर मिले शावकों के शव आंशिक रूप से खाए हुए पाए गए हैं। वन विभाग की मॉनिटरिंग टीम ने इन नन्हे शावकों को 11 मई की शाम को ही अंतिम बार अपनी मां के साथ जीवित और सुरक्षित देखा था, लेकिन एक ही रात में इस मादा चीता का पूरा कुनबा खत्म हो गया।शावकों के शवों की स्थिति को देखकर प्रारंभिक जांच में वन विभाग यह आशंका जता रहा है कि किसी अन्य खूंखार जंगली जानवर ने रात के अंधेरे में इन शावकों पर हमला कर उनका शिकार किया है।

## 1 वोट से जीतने वाले TVK विधायक पर हाईकोर्ट की बड़ी कार्रवाई, फ्लोर टेस्ट से पहले फंसा पेंच

चेन्नई (ए.)। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता और अब मुख्यमंत्री बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) को मद्रास हाईकोर्ट से एक बहुत बड़ा और अप्रत्याशित झटका लगा है। अदालत ने तिरुपत्तूर विधानसभा क्षेत्र से महज एक वोट के मामूली अंतर से जीत दर्ज करने वाले टीवीके विधायक आर. श्रीनिवास सेतुपति के विधानसभा की कार्यवाही में शामिल होने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि अदालत के इस फैसले के बाद सेतुपति बुधवार को होने वाले अहम फ्लोर टेस्ट में वोटिंग नहीं कर पाएंगे, जिसने सीएम विजय की धड़कनें तेज कर दी हैं।

### एक वोट की हार-जीत और कोर्ट में चुनौती

इस पूरे विवाद की जड़ तिरुपत्तूर सीट के बेहद करीबी चुनाव नतीजे हैं। द्रमुक (DMK) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री के.आर. पेरियाकरुप्पन ने श्रीनिवास की इस जीत को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 4 मई 2026 को घोषित हुए चुनाव नतीजों में श्रीनिवास सेतुपति को 83,365 वोट मिले थे, जबकि पेरियाकरुप्पन के खाते में 83,364 वोट आए थे। पेरियाकरुप्पन का सीधा आरोप है कि उनके निर्वाचन क्षेत्र का एक अहम पोस्टल बैलट गलती से दूसरे तिरुपत्तूर जिले में भेज दिया गया और वहां उसे खारिज कर दिया गया। इसके अलावा, ईवीएम के आंकड़ों और चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के आंकड़ों में भी 18 वोटों का भारी अंतर सामने आया है। अपनी याचिका में उन्होंने वोटों की दोबारा गिनती कराने और सेतुपति को विधायक के रूप में काम करने से रोकने की मांग की थी।

### हाईकोर्ट ने पहली नजर में मानी गड़बड़ी

इस गंभीर याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विक्टोरिया गौरी और एन. सेंथिलकुमार की पीठ ने यह माना है कि इस मामले में पहली नजर में ही गड़बड़ी दिखाई दे रही है। मद्रास हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए स्पष्ट किया है कि सेतुपति अगले आदेश तक विधानसभा की किसी भी कार्यवाही का हिस्सा नहीं बन सकेंगे।

# मध्यप्रदेश उद्यमियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को हर समय तत्पर तैयार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### >>> मध्यप्रदेश को फ्रांस की ओर से प्राप्त होगा अधिकतम सहयोग : फ्रांस राजदूत श्री माथू
### >>> भारत और फ्रांस की मैत्री है पुरानी, आगे भी रहेगा परस्पर सहयोग
### >>> मुख्यमंत्री निवास में हुई राउंड टेबल मीटिंग



भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में भोपाल में संपन्न एक दिवसीय इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव के प्रतिनिधियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से फ्रांस के राजदूत थियरी माथू ने भी भेंट की। फ्रांसीसी राजदूत ने कहा कि मध्यप्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में फ्रांस की ओर से अधिकतम सहयोग प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश में आगामी वर्ष होने वाले ग्लोबल समिट की दृष्टि से फ्रांस और मध्यप्रदेश के मध्य दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को मजबूत बनाने के प्रयास होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश उद्यमियों के साथ कदम से कदम मिलकर चलने को तैयार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मुख्यमंत्री निवास में मंगलवार की शाम राउंड टेबल मीटिंग में कॉन्क्लेव में हुए विचार-विमर्श और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के संबंध में की गई पहल की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत में फ्रांसीसी राजदूत श्री माथू का अंगवस्त्रम् और पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए और विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भेंट की। कॉन्क्लेव में विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में फ्रांस कंपनियों और मध्यप्रदेश सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन सहित 8 अभिरूचि पत्र (लेटर ऑफ इंटेट) प्रस्तुत किए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फ्रांस से भोपाल पधारे सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि बदलते दौर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में फ्रांस ने भारत सरकार की नीतियों का स्वागत किया। भारत-फ्रांस की मित्रता के अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। यह मैत्री पुरानी है और आगे भी परस्पर सहयोग की परम्परा बनी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया तो फ्रांस ने भारत का समर्थन किया था। फ्रांस से भारत ने राफेल डील भी की। दुनिया का एडवांस फाइटर जेट राफेल भारत की सीमाओं की रक्षा कर रहा है। यूरोपियन यूनियन के साथ भारत सरकार ने मुक्त व्यापार समझौता किया है। यह हमारी मित्रता के लिए सोने पर सुहागा है। इससे वैश्विक स्तर पर नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। भारत के साथ काम करते हुए सभी क्षेत्रों में व्यापार-व्यवसाय की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम रक्षा, तकनीक, कौशल विकास सहित अन्य क्षेत्रों में मिलकर अच्छी नीतियों के साथ कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर बदलाव नजर आए। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद एक नया भारत देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी औद्योगिक निवेश की अपार क्षमता, योग्यता और संभावनाएं हैं। राज्य सरकार का फोकस व्यापार-व्यवसाय में निवेश बढ़ाने पर है। निवेश दोनों पक्षों की आपसी सहमति से आगे बढ़ता है। औद्योगिक विकास में लंबी छलांग लगाने के लिए राज्य सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। हमारे पास तकनीक के साथ-साथ अनेक अनुकूल पक्ष हैं। मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने के कारण कनेक्टिविटी के मामले में सबसे बेहतर है। समृद्ध पर्यटन क्षेत्र, औद्योगिक शांति और प्रकृति की अनुकूलता से उद्योगों का विकास आसान है। राज्य सरकार ने पहले नारी कल्याण, फिर उद्योग एवं रोजगार वर्ष और अब कृषक कल्याण वर्ष की शुरुआत की है। वर्ष 2026 में कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सनोफी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बीच हुए अनुबंध को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए उपयोगी बताया। अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग हितैषी नीतियां लागू हैं। पर्यटन, रक्षा क्षेत्र, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक, नवकरणीय ऊर्जा आदि में प्रदेश अग्रणी राज्य बन रहा है। इंडो-फ्रेंच कॉन्क्लेव में प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश पर चर्चा स्वागत योग्य है।

इंडो फ्रेंच कॉन्क्लेव के लिए आए फ्रेंच डेलिगेशन ने भीमबेटका का भ्रमण किया।

## 'कार्यकर्ता जिम्मेदार बने और फिजूलखर्ची से बचें', 200 गाड़ियों के काफिले पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की नसीहत



भोपाल (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत संबंधी अपील के बीच मध्यप्रदेश भाजपा में नेताओं के अलग-अलग अंदाज चर्चा का विषय बन गए। एक ओर पाठ्यपुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर 200 से अधिक वाहनों के काफिले के साथ भोपाल पहुंचे, तो वहीं दूसरी ओर मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह ई-रिक्शा से पदभार ग्रहण करने पहुंचे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील का पालन करने और ईंधन बचाने की नसीहत दी है।

**क्या है मामला ?**

दरअसल, पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष बनाए जाने के बाद सौभाग्य सिंह ठाकुर समर्थकों के बड़े काफिले के साथ उज्जैन से भोपाल पहुंचे। बताया जा रहा है कि उनके साथ करीब 200 से अधिक वाहन शामिल थे। राजधानी पहुंचने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी की मौजूदगी में उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

लंबे काफिले की वजह से उज्जैन-भोपाल मार्ग सहित राजधानी भोपाल के कई इलाकों में यातायात प्रभावित रहा। भीषण गर्मी के बीच हाईवे से लेकर बोर्ड ऑफिस चौराहा, डीबी मॉल और अरेरा हिल्स तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

## NEET परीक्षा रद्दः MP के 14 हजार छात्रों पर असर,भोपाल में प्रदर्शन,शिक्षा मंत्री और NTA अध्यक्ष का फूंका पुतला




भोपाल (ए.)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 रद्द होने का असर मध्य प्रदेश के करीब 14 हजार अभ्यर्थियों पर पड़ा है। पेपर लीक मामले की जांच केंद्र सरकार ने सीबीआई को सौंप दी है, लेकिन परीक्षा रद्द होने से छात्रों और अभिभावकों में भारी नाराजगी है। इसी मुद्दे को लेकर मंगलवार को भोपाल में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और छात्रों ने प्रदर्शन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व एमटीए अध्यक्ष प्रदीप जोशी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन एमपी नगर में किया गया, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने किया।

**छात्रों ने कहा- मेहनत पर फिरा पानी**

नीट अभ्यर्थी सार्थक यादव ने कहा कि पूरे साल मेहनत करके परीक्षा दी थी, लेकिन आखिर में एग्जाम रद्द हो गया। अब फिर से तैयारी करनी पड़ेगी। इससे मानसिक तनाव बढ़ गया है। भोपाल की छात्रा राखी ने कहा कि 2024 में भी यही हुआ था और अब 2026 में फिर वही स्थिति बन गई। लाखों बच्चों की मेहनत बेकार हो रही है। कोई गारंटी नहीं कि अगले साल ऐसा नहीं होगा।

**30 लाख छात्रों के भविष्य से खिलवाड़**

एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया कि हर वर्ष परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ी सामने आती है और इसका खामियाजा मेहनत करने वाले छात्रों को भुगतना पड़ता है। रवि परमार ने कहा कि इस साल भी नीट पेपर लीक की घटना से 30 लाख से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में गठित न्यायिक समिति से कराई जाए।

**शिक्षा माफिया कर रहे व्यवस्था को कमजोर**

एनएसयूआई के भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाया कि शिक्षा माफिया पैसे लेकर परीक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के छात्र पूरे साल मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन परीक्षा रद्द होने से वे मानसिक तनाव और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष लकी चौबे, अमित हटिया, अनिमेष गोंडली सहित बड़ी संख्या में छात्र, कोचिंग स्टूडेंट्स और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

## भोपाल में स्टेट बार काउंसिल चुनावः जिला न्यायालय में दिनभर रही गहमागहमी, 20 प्रत्याशियों की किस्मत EVM में कैद

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव के लिए मंगलवार को भोपाल जिला न्यायालय परिसर में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। सुबह 10 बजे शुरू हुई वोटिंग शाम 5 बजे तक चली। दिनभर जिला अदालत परिसर में वकीलों की भीड़ और चुनावी हलचल बनी रही। भोपाल से इस बार 20 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें कई वरिष्ठ और चर्चित अधिवक्ता शामिल हैं। चुनाव के जरिए राज्य अधिवक्ता परिषद में 18 पुरुष और 7 महिला सदस्यों का चयन किया जाना है।

**पहचान पत्र देखकर मिला प्रवेश**

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे। अधिवक्ताओं को राज्य अधिवक्ता परिषद या जिला बार संघ द्वारा जारी पहचान पत्र दिखाने के बाद ही मतदान की अनुमति दी गई। बिना पहचान पत्र किसी को प्रवेश नहीं दिया गया। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव में प्रदेशभर से 122 प्रत्याशी मैदान में हैं। पूरे प्रदेश में करीब 88 हजार अधिवक्ताओं ने मतदान किया।

**दिनभर चला समर्थकों का संपर्क अभियान**

जिला न्यायालय परिसर में प्रत्याशी और उनके समर्थक दिनभर मतदाताओं से संपर्क करते नजर आए। कई वरिष्ठ अधिवक्ता समूहों में चुनावी चर्चा करते दिखाई दिए।

## भोपाल में युवक की पिटाई के विरोध में मुस्लिम समाज, पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन



भोपाल (ए.)। राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में एक होटल में मुस्लिम युवक और हिंदू युवती के मिलने के बाद कथित लव जिहाद के आरोप लगाकर युवक की पिटाई किए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में मंगलवार को मुस्लिम समाज के लोगों ने शहर काजी के नेतृत्व में पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बजरंग दल से जुड़े कार्यकर्ताओं ने युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की और धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया। समाज के लोगों ने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

**बड़ी संख्या में पहुंचे समाज के लोग**

पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे प्रदर्शनकारियों में ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी भी की गई और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई गई। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि युवक के साथ की गई मारपीट अमानवीय है और घटना के दौरान धार्मिक आस्था को लेकर आपत्तिजनक शब्द कहे गए, जिससे समाज में नाराजगी है।

**सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो**

घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला और गरमा गया है। वीडियो सामने आने के बाद शहर में इस मुद्दे को लेकर बहस तेज हो गई है। घटना के बाद गोविंदपुरा इलाके में तनावपूर्ण माहौल बताया जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी संगठन कानून हाथ में लेने की कोशिश न करे।

**भोपाल में युवक को चाकू मारा, आंतें बाहर निकली**

## बाइक टकराने के विवाद में बीच-बचाव करने गया था; बदमाशों ने उसी पर हमला कर दिया

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के छोला मंदिर इलाके में बाइक टकराने के विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना शनिवार रात की थी। युवक ने मंगलवार तड़के इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार रासलाखेड़ी निवासी अजय लोधी (20) प्राइवेट जॉब करता था। रविवार शाम करीब 7:30 बजे उसके चचेरे भाई नितिन लोधी की बाइक राम मंदिर के पास एक नाबालिग से टकरा गई थी। नाबालिग सबरी नगर में आयोजित माता पूजन कार्यक्रम में शामिल होने आया था। बाइक टकराने पर नाबालिग के साथ आए दीपक ठाकुर और उसके साथियों ने नितिन से विवाद किया। सूचना मिलने पर अजय लोधी मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव किया। इस दौरान दीपक ने उसे धमकी दी।

**रात में फिर हुआ आमना-सामना**



अजय लोधी, मृतक

इस विवाद के कुछ देर बाद ही रासलाखेड़ी इलाके में दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। यहां दोनों ओर से मारपीट हुई। इसी दौरान दीपक ठाकुर ने साथियों के साथ मिलकर अजय लोधी पर चाकू से हमला कर दिया।चाकू अजय के पेट में लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी आंते बाहर आ गई थीं। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां मंगलवार तड़के इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

**हत्या का केस दर्ज, दो गिरफ्तार**

छोला मंदिर थाना पुलिस ने पहले हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। युवक की मौत के बाद धारा बढ़ाकर हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक ठाकुर और उसके एक साथी को सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों से पूछताछ जारी है।

### अशोका गार्डन में पिता ने बेटे पर फायर किया : पारिवारिक विवाद में चलाई 12 बोर बंदूक से गोली, आरोपी पिता गिरफ्तार



भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते एक पिता ने अपने ही 16 वर्षीय बेटे पर लाइसेंसी 12 बोर बंदूक से फायर कर दिया। घटना सोमवार रात करीब 10ः45 बजे एकता पुरी इलाके में हुई। गनीमत रही कि गोली किशोर को नहीं लगी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पिता को गिरफ्तार कर बंदूक व कारतूस जब्त कर लिए।

अशोका गार्डन थाने के सब इंस्पेक्टर ओमकार सिंह के मुताबिक एकता पुरी निवासी 16 वर्षीय राज चौरसिया उर्फ बंटी चौरसिया कक्षा 11वीं का छात्र है। उसकी मां घरों में साफ-सफाई का काम करती है, जबकि पिता अलग रहता है। पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। घटना से दो दिन पहले भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

## समय-सीमा में कार्य करें पूर्ण : प्रमुख सचिव डॉ. कुमार

### >>> 31 कन्या छात्रावास बनेंगे आदर्श, 15 मई से शुरू होगा शौर्य संकल्प प्रशिक्षण
### >>> 2 दिन में लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान, 15 जून से विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के लिए पूरे वर्ष कर सकेंगे



भोपाल (ए.)। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार ने मंगलवार को विभागीय समीक्षा कर अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने 'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026' की तैयारियों की जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने इसके प्रभावी और सुचारू क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर के नेतृत्व में योजनांतर्गत 4000 युवाओं को सेना, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य सैन्य बलों में भर्ती के लिए निःशुल्क प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके कार्यान्वयन के लिए समय-सीमा में कार्य कर अभ्यर्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

**विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के लिए सालभर कर सकेंगे आवेदन**

प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने 2 दिनों में अनिवार्य रूप से लंबित छात्रवृत्तियों का अनिवार्य रूप से भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए बताया गया कि वर्ष 2025-26 के लिए 36 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने इन चयनित विद्यार्थियों की राशि जल्द जारी कर प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 15 जून तक योजना का वर्षभर (रोलिंग आधार पर) एप्लिकेशन भरने के की व्यवस्था के साथ पोर्टल में बदलाव करने के भी निर्देश दिए।

**31 कन्या छात्रावास बनेंगे 'आदर्श', 31 मई तक पूरे हों रसोई निर्माण कार्य**

प्रमुख सचिव ने चयनित 31 कन्या छात्रावासों को 'आदर्श छात्रावास' बनाने संबंधी सभी निर्माण कार्य 30 जून तक हर हाल में पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। छात्रावासों में मेस संचालन के लिए रसोई निर्माण के कार्यों को भी 31 मई तक पूर्ण करने की समय-सीमा तय की गई। उन्होंने छात्रावासों में रिक्त सीटों को जल्द भरने के भी निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने हाल ही में संशोधित हुई 'दिल्ली छात्रगृह योजना' की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की। इससे दिल्ली के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे प्रदेश के अधिक से अधिक ओबीसी विद्यार्थी इस योजना (प्रतिमाह 10,000 रुपये सहायता) का लाभ उठा सकें।

समीक्षा बैठक में आयुक्त सौरभ कुमार सुमन, संयुक्त संचालक भूपेंद्र कुमार गोयल, मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव श्रीमती पल्लवी वैद्य और मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. फरजाना गजाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# तीन वर्षों से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म कर रहा था युवक, महिला ने लगाए धमकाने के भी आरोप; मामला दर्ज

उज्जैन (ए.) । उज्जैन के भैरवगढ़ सेंट्रल जेल परिसर स्थित सरकारी क्वार्टर में रहने वाली एक महिला ने जेल प्रहरी के बेटे पर गंदा काम, मारपीट और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। मामले में भैरवगढ़ थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार भैरवगढ़ सेंट्रल जेल में पदस्थ एक प्रहरी अपने परिवार के साथ जेल क्वार्टर में रहता है। उसके सामने अन्य प्रहरी का परिवार रहता है। महिला ने आरोप लगाया कि प्रहरी का बेटा आयुष सक्सेना पिछले तीन वर्षों से उसे ब्लैकमेल कर गंदा काम कर रहा था। महिला ने कई बार विरोध किया, लेकिन विरोध करने पर भी बदनाम करने की धमकी देता था।

महिला का कहना है कि आरोपी उसे लगातार धमकाता था और विरोध करने पर बदनाम करने की बात कहता था। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ

मारपीट भी की।

**मेडिकल परीक्षण कराया**

भैरवगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि महिला थाने पहुंची और आरोपी आयुष सक्सेना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर महिला का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। तथा आरोपी के खिलाफ मारपीट और धमकी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। वैसे पुलिस का कहना है कि आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

**3 वर्षों से कर रहा था गंदा काम**

महिला ने बताया कि पिछले तीन साल से आरोपी उसे ब्लैकमेल कर गंदा काम कर रहा है और पिछले दिनों जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और बदनाम करने की धमकी दी। महिला ने पूरी बात अपने पति को बताई और कल पुलिस को शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने मेडिकल कराने के बाद आरोपी के खिलाफ गंदा काम करने और अन्य धाराओं में कार्रवाई कर ली है।

## बुरहानपुर में आग का कहर- बरसात से पहले जुटाया चारा आग में जलकर हुआ स्वाहा, पशुपालकों पर संकट; लाखों का नुकसान

बुरहानपुर (ए.)। बुरहानपुर के मोरखेड़ा गांव में भीषण आग लगने से पशुओं के लिए जमा करीब 60 ट्रॉली चारा जलकर राख हो गया। हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। जिसके बाद दमकल और ग्रामीणों ने मशक्कत से आग पर काबू पाया।

बुरहानपुर जिले के शाहपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भावसा के मोरखेड़ा में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पशुओं के लिए बड़ी मात्रा में जमा किया गया चारा अचानक आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 60 ट्रॉली चारा जलकर राख हो गया। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग आग बुझाने में जुट गए।

जानकारी के अनुसार, ग्राम भावसा के गवली समाज के लोगों ने बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए पशुओं के लिए पहले से ही बड़े पैमाने पर चारे का भंडारण किया था। पशुपालक वालजी गवली ने बताया कि किसानों के खेतों से खरीदकर करीब 60 ट्रॉली चारा एकत्र किया गया था, ताकि बरसात के दिनों में पशुओं को चारे की कमी न हो। लेकिन अचानक लगी आग ने कुछ ही देर में पूरे भंडारण को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि दूर-दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देने लगा।

## मोदी की अपील का असरः ईंधन बचाने के लिए साइकिल से निकले जबलपुर हाईकोर्ट के जज, खुद तीन किमी चलाकर पहुंचे

जबलपुर (ए.)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस द्वारकाधीश बंसल मंगलवार को साइकिल से कोर्ट पहुंचे। उन्होंने यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील के समर्थन में उठाया, जिसमें लोगों से वैश्विक ऊर्जा संकट और अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच पेट्रोल-डीजल बचाने का आग्रह किया गया है। जबलपुर हाईकोर्ट बेंच में पदस्थ जस्टिस बंसल अपने सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास से करीब तीन किलोमीटर की दूरी साइकिल से तय कर कोर्ट पहुंचे। इस दौरान कोर्ट का एक कर्मचारी भी उनके साथ मौजूद था। साइकिल यात्रा के बाद सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में जस्टिस बंसल ने कहा कि उन्होंने आम लोगों को संदेश देने के लिए यह कदम उठाया है कि ईंधन बचाने की जिम्मेदारी केवल जनता की नहीं, बल्कि न्यायाधीशों की भी है।

## गजब है एमपीः शादी की जिद में 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक, मंत्री से बात के बाद उतरा नीचे; खूब हुआ ड्रामा

दमोह (ए.)। दमोह जिले के बटियागढ़ ब्लॉक के फुटेरा कलां गांव में मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवक शादी कराने की जिद लेकर करीब 150 फीट ऊंचे हाईटेंशन बिजली टावर पर चढ़ गया। युवक घंटों तक नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ, जिससे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के मुताबिक, 25 वर्षीय गणेश पटेल अचानक टावर पर चढ़ गया और ऊपर से ही अपनी मांगें रखने लगा। युवक का कहना था कि उसकी शादी कराई जाए और उसे 50 हजार रुपये नकद दिए जाएं। ग्रामीणों और परिजनों ने काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ा रहा।

परिजनों ने बताया कि तीन दिन पहले भी युवक इसी तरह टावर पर चढ़ गया था। उस समय ग्रामीणों और परिवार के लोगों ने समझाइश देकर उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया था, लेकिन मंगलवार सुबह उसने फिर वही हरकत दोहरा दी। घटना की सूचना मिलते ही बटियागढ़ तहसीलदार योगेंद्र चौधरी, चौकी प्रभारी आनंद कुमार और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों ने घंटों मशक्कत कर युवक को समझाने का प्रयास किया।

इस दौरान युवक की जिद थी कि उसकी बात मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री और क्षेत्रीय विधायक लखन पटेल से कराई जाए। बाद में मंत्री लखन पटेल ने फोन पर युवक से बातचीत की और उसे समझाइश दी। काफी देर तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद युवक आखिरकार सुरक्षित नीचे उतर आया। ग्रामीणों के अनुसार युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। घटना के दौरान गांव में लोगों की भारी भीड़ जमा रही थी और किसी अनहोनी की आशंका से लोग चिंतित नज़र आए।

## अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने किए बाबा महाकाल के दर्शन, भस्म आरती में हुईं शामिल

उज्जैन, (ए.)। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए। उन्होंने बाबा महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद लिया।अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मंगलवार तड़के करीब तीन बजे महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं और नंदी हाल में बैठकर भक्ति भाव से भस्म आरती में शामिल हुईं। इस दौरान वे मस्तक पर चंदन लगाए पूरी तरह बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं।

## कलयुगी पिता ने पार की दरिंदगी की हदें, तीन साल की बेटी से किया दुष्कर्म; चिल्लाने पर धागे से घोंटा गला

सागर (ए.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले से मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली एक वारदात सामने आई है। यहां बांदरी थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपनी ही तीन साल की मासूम बेटी को हवस का शिकार बनाया। जब मासूम दर्द से चिल्लाई, तो आरोपी ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

**रेशमी धागे से घोंटा मासूम का गला**

वारदात की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी पिता ने पहले अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। जब बच्ची चीखने-चिल्लाने लगी, तो उसने मासूम के गले में पहने रेशमी धागे से ही उसका गला घोंट दिया।

# राजा रघुवंशी मामले में सोनम की जमानत पर सुनवाई, पुलिस ने की जमानत निरस्त करने की

इंदौर (ए.)। मेघालय कोर्ट में राजा रघुवंशी हत्याकांड के आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत को लेकर सुनवाई हुई। मेघालय सरकार और पुलिस ने जमानत मंजूर करने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि इस हत्याकांड की सोनम मुख्य आरोपी है।

वह जेल से बाहर रहेगी तो केस प्रभावित हो सकता है। इस याचिका के बाद कोर्ट ने सोनम को भी नोटिस देकर जवाब मांगा था, हालांकि सोनम मंगलवार को कोर्ट में मौजूद नहीं थी। अब मामले की अगली सुनवाई 18 मई को होगी। सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा गया कि इस केस का ट्रायल शुरू है। सोनम की गिरफ्तारी के समय गलत धारा को लेकर हाईकोर्ट में कहा गया कि केवल टाइपिंग की गलती से किसी आरोपी को राहत नहीं मिल सकती। हत्या में सोनम शामिल है। इसके पुख्ता सबूत हैं। तकनीकी गलती के कारण गंभीर अपराध के आरोपी को जमानत देना उचित नहीं है। कोर्ट ने सरकार के वकील के तर्क सुनने

के बाद इस केस की अगली तारीख 18 मई को दी है। उधर सोनम की जमानत के बाद इस हत्याकांड के आरोपी राज कुशवाह और उसके तीन साथियों ने भी जमानत याचिका लगाई थी, लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया।

फिलहाल चारों शिलांग जेल में बंद हैं, जबकि सोनम शिलांग के ही एक होटल में अपने पिता के साथ रुकी हुई है। कोर्ट ने उसे शर्तों पर जमानत दी है। वह इंदौर नहीं आ सकती है। सोनम के अलावा इस केस में तीन अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है।

## इंदौर के ट्रेजर टाउन की सड़क खुलेगी ट्रैफिक के लिए, सड़क के लिए चले थे बंगलों पर बुलड़ोजर

इंदौर (ए.)। इंदौर के बिजलपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क का काम अंतिम चरण में है। बारिश से पहले इस सड़क को ट्रैफिक के लिए खोलने की तैयारी की जा रही है। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने निर्माण कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को शेष काम पूरा करनेके निर्देश दिए।

इंदौर के बिजलपुर क्षेत्र में 80 फीट चौड़ी सड़क बारिश से पहले ट्रैफिक के लिए खोल दी जाएगी। सड़क का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जबकि डिवाइडर और अन्य कुछ कार्य अभी बाकी हैं। मंगलवार सुबह सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करने मेयर पुष्य मित्र भार्गव भी पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बारिश से पहले सड़क के लोकार्पण की तैयारी की जाए। मेयर ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमणों को हटाने में किसी प्रकार की देरी न की जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा और लोगों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

# व्यापार समाचार

# पश्चिम एशिया तनाव से भारतीय बाजार गिरावट पर खुला

**- सेंसेक्स 5 अंक लुढ़का, निफ्टी 23,6 के स्तर पर**

मुंबई (ए.)। पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयान का सीधा असर मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार पर दिखा। निवेशकों में बढ़ती सतर्कता के बीच सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही दबाव में कारोबार करते नजर आए। सुबह के कारोबार में निफ्टी 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,716.25 पर पहुंच गया, जबकि सेंसेक्स 0.53 प्रतिशत टूटकर 75,614.93 के स्तर पर आ गया। बाजार पर मुख्य दबाव पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ट्रंप के ईरान

को लेकर दिए गए बयान से आया। इस गिरावट की वजह से निवेशकों के लगभग 6 लाख करोड़ रुपये डूब चुके हैं। 11 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाने, सोने की खरीदारी और विदेशी यात्रा को लेकर दिए गए बयान के बाद शेयर बाजार में दबाव बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों और कमजोर खपत की चिंता के बीच दलाल स्ट्रीट पर निवेशकों की करीब 6 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति साफ हो गई है.रिपोर्टों के अनुसार ट्रंप ने एक महीने पुराने ईरान संघर्षविराम को गंभीर खतरे में बताया और ईरान द्वारा दिए गए प्रस्ताव को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे क्षेत्र में स्थिति और संवेदनशील हो गई है।

## खाने-पीने की चीजों ने बिगाड़ा बजट, अप्रैल में 3.48% पर पहुंची महंगाई दर

नई दिल्ली ()। भारत में आम आदमी को महंगाई के मोर्चे पर हल्का झटका लगा है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई दर में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह बढ़कर 3.48 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने यानी मार्च में यह आंकड़ा 3.4 प्रतिशत पर था। इस बढ़ोतरी के पीछे मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों, विशेषकर रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों की कीमतों में आया उछाल है। हालांकि, अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात यह है कि समग्र महंगाई दर अब भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चार प्रतिशत के लक्ष्य के काफी नीचे है।

**खाद्य महंगाई और सब्जियों की कीमतों का हाल**

अर्थव्यवस्था के इन आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर पता चलता है कि लोगों के रसोई का बजट मुख्य रूप से बिगड़ा है। खाद्य महंगाई दर मार्च के 3.87 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 4.20 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसमें ग्रामीण इलाकों की खाद्य महंगाई दर शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ी है।

सब्जियों की कीमतों की बात करें तो बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला है। टमाटर ने किया लाल: टमाटर की कीमतों में सालाना आधार पर 35.28 प्रतिशत का भारी उछाल आया है।

आलू-प्याज से राहत दूसरी तरफ, आलू और प्याज की कीमतों में बड़ी गिरावट (क्रमश: -23.69 प्रतिशत और -17.67 प्रतिशत) दर्ज की गई है, जिससे उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली है।

## रुपया डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 95.63 पर

मुंबई (ए.)। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 35 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.63 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव एवं समझौते की उम्मीदें धूमिल होने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.57 पर खुला और फिर टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 95.63 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 35 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 79 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 95.28 पर बंद हुआ था।

# सोने का भाव 1.54 लाख और चांदी 2.80 लाख पार

**- वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी के भाव तेजी के साथ खुले**

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय बाजार कॉमैक्स (कॉमेक्स) दोनों में कीमती धातुओं के भाव उछाल के साथ खुले और खबर लिखे जाने तक मजबूती बनाए हुए थे। इस तेजी से निवेशकों में उत्साह देखा जा रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 1,53,999 रुपए के भाव पर 336 रुपये की तेजी के साथ खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,53,663 रुपए था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 349 रुपये की बढ़त के साथ 1,54,012 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,54,031 रुपए का उच्च स्तर और 1,53,851 रुपए का निम्न स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोने का वायदा भाव 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के जुलाई कॉन्ट्रैक्ट में भी जोरदार तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर यह 1,918 रुपये की बढ़त के साथ 2,80,229 रुपए पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,78,311 रुपए था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 2,81,171 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जो कि 2,860 रुपये की बड़ी तेजी को दर्शाता है। चांदी ने मंगलवार को 2,81,443 का उच्चतम स्तर और 2,79,244 रुपए का न्यूनतम स्तर देखा। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर अपना सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में मजबूती बरकरार रही। कॉमैक्स पर सोना 4,745.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो पिछले बंद भाव 4,728.70 डॉलर से अधिक था। खबर लिखे जाने के समय यह 7.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,736.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

# सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

## राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात

किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है। ऐसे में, भाषा बोलने- पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। संभवत: यह अवैध भी है। टैक्सी और ऑटो ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा में निपुण होने की शर्त लागू कर महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात पहुंचाया है। देश के किसी हिस्से में जाकर रोजी-रोटी कमाने के नागरिकों के मूलभूत संवैधानिक अधिकार के खिलाफ तो यह कदम है ही। इसे भाषा या क्षेत्र के आधार पर नागरिकों के साथ भेदभाव करना भी माना जाएगा। राज्य सरकार के निर्णय के मुताबिक अगले एक मई से ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए यह अनिवार्य हो जाएगा कि वे धारा-प्रवाह मराठी बोलें और मराठी भाषा को पढ़ सकें। जो ड्राइवर इसमें फेल होंगे, उन्हें राज्य में टैक्सी या ऑटो नहीं चलाने दिया जाएगा। आगे से किसी ऐसे व्यक्ति को राज्य में इस काम की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिसमें भाषा संबंधी उपरोक्त क्षमता ना हो। राज्य सरकार के 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और उप-कार्यालय खास सत्यापन अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान देखा जाएगा कि ड्राइवर प्रभावी ढंग से मराठी बोलने, लिखने, और पढ़ने में सक्षम हैं या नहीं। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा है कि जो ड्राइवर वेरिफिकेशन में फेल होंगे, उनके लाइसेंस और परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। मगर, मुद्दा है कि क्या ऐसा करना वैधानिक है? किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है।ऐसे में, भाषा बोलने- पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। अगर ऐसी ही सोच से दूसरे राज्य भी प्रेरित हुए, तो मराठी भाषी सहित तमाम इलाकाई लोगों के लिए अन्य क्षेत्रों में मुश्किल खड़ी हो सकती है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक महाराष्ट्र में 65 से 70 प्रतिशत टैक्सी-ऑटो ड्राइवर अन्य राज्यों के हैं। वे वहां वर्षों से काम कर रहे हैं, तो जाहिर है कि वे आम जन से संवाद करने लायक भाषा जानते- समझते हैं। भाषा जानने और सीखने का संबंध काफी हद तक रोज-रोटी के तकाजों से जुड़ा होता है। देवेंद्र फड़णवीस सरकार इस बुनियादी बात की उपेक्षा कर रही है। अत: उचित होगा कि समाज को तोड़ने वाले इस कदम को वह वापस ले ले।

## भारत की सांस्कृतिक जड़ पर सुनियोजित हमला 1906

### बंगाल में कट्टर विचार और हिंसा

अनुराग सिंह देव

यह सिर्फ कोई पिछले 15 वर्षा में ही हो रहा है, ऐसा नहीं है। 1906 में पुराने बंगाल के ढाका में जब मुस्लिम लीग की स्थापना हुई, उस समय से ही या उससे पहले से ही बंगाल में यह उन्मादी विचार सिर उठाने लगा था। कुछ वर्षो में ही बंगाल के इस्लामिक नेताओं ने पृथक मुस्लिम राष्ट्र का प्रस्ताव तैयार करना आरंभ कर दिया और 1940 में प्रस्ताव पारित भी कर दिया। धार्मिक आधार पर सीटों का विभाजन और धार्मिक आरक्षण का क्रियान्वयन और फिर तुर्की के मुस्लिम खलीफा के अधिकारों को पुनर्स्थापित करने खिलाफत आंदोलन के रूप में यह धार्मिक कट्टरता खुल कर सामने आने लगी। इसका कॉंग्रेस ने भी समर्थन किया। यहाँ तक कि एक धार्मिक कट्टर आंदोलन को कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम का खिलाफत आंदोलन बना दिया। कट्टरता इतनी बढ़ी कि 1946 में बँटवारे की मांग को लेकर कोलकाता और नुवाखाली में हिन्दुओं के खिलाफ डायरेक्ट एक्शन डे का आह्वान किया गया, जिसका परिणाम हज़ारों नरसंहार, आगजनी, बलात्कार के रूप में सामने आया। फिर 1947 में पाकिस्तान विभाजन की भयाक्रांत हिंसा में लाखों हिन्दुओं का कत्लेआम सभी को ज्ञात ही है। वर्तमान परिस्थितियों में इस पृष्ठभूमि में बंगाल के इन इस्लामिक कट्टरपंथी नेताओं की देन को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की आजादी के बाद पहले कॉंग्रेस, फिर वामपंथ और अब तृणमूल कांग्रेस; यह सब इनके ही सीधे वैचारिक और राजनैतिक नियंत्रण में रही है। इसलिए आज यदि संदेशखाली, मुस्लिम बहुल क्षेत्र में वर्षों से मंदिरों में ताले, माँ दुर्गा पूजा में विवाद हो रहा है। वसूली, तोला बाजी हो रही हैं तो वहीं इस विचार के जनक सलीमुल्ला खान, जिन्ना, फ़ैज़लूल हक, शोहरावर्दी , अबुल हासिमे, गुलाम सर्वर आज भी बंगाल की राजनैतिक धमनियों में रक्त के साथ सोच के रूप में दौड़ रहे है।

# (विचार-मंथन) प्रधानमंत्री मोदी की चेतावनी से बाजार में हड़कंप

- सनत जैन

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा वैश्विक स्तर पर युद्ध जैसी आशंकाओं ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संभावित आर्थिक संकट, ईंधन की बढ़ती खपत, विदेशी निर्भरता तथा घरेलू संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर व्यक्त चिंताओं के बाद देश के बाजारों में बेचैनी का माहौल दिखाई दे रहा है। शेयर बाजार में लगातार गिरावट, सोने और आभूषण कारोबार में चिंता तथा महंगाई को लेकर आम लोगों की आशंकाएं यह संकेत दे रही हैं कि देश आर्थिक अनिश्चितता के दौर में प्रवेश कर रहा है। भारत लंबे समय से ऊर्जा जरूरतों के लिए आयातित कच्चे तेल पर निर्भर रहा है। यदि पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति गंभीर होती है, तो सबसे पहला प्रभाव तेल और गैस की कीमतों पर पड़ेगा। पहले से ही महंगे पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस से परेशान जनता के सामने महंगाई की नई सुनामी खड़ी हो सकती है। परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न, सब्जियों, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ना लगभग तय माना जाता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सोना नहीं खरीदने, पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, विदेश यात्राओं को रोकने और इसी के साथ ही भोजन में तेल कम से कम उपयोग करने पर जोर दिए जाने को लोग आने वाले कठिन समय की चेतावनी के रूप में देख रहे हैं। दरअसल कोरोना महामारी का अनुभव अभी भी देशवासियों की सामूहिक स्मृति में ताजा है। उस समय लॉकडाउन, बेरोजगारी, पलायन और आर्थिक ठहराव ने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया था। यदि वर्तमान संकट की तुलना उसी दौर से की जाती है, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ती ही बढ़ती है। बाजारों की

घबराहट केवल आर्थिक आंकड़ों का परिणाम नहीं होती, बल्कि मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी उसमें बड़ी भूमिका निभाता है। निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ते ही शेयर बाजार गिरने लगता है और आम जनता खर्च रोककर बचत की ओर बढ़ती है। सोने की खरीद टालने की अपील ने भी बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारत में आभूषण उद्योग करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ा है। यदि उपभोक्ता सोने की खरीद कम करते हैं, तो छोटे ज्वेलर्स, कारीगरों और संबंधित व्यापारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही कारण है कि व्यापारिक संगठनों में चिंता बढ़ी है। हालांकि सरकार का उद्देश्य विदेशी मुद्रा की बचत और अनावश्यक आयात कम करना हो सकता है, लेकिन ऐसे कदमों के सामाजिक और रोजगार संबंधी प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्तमान संकट का एक बड़ा पहलू विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार असंतुलन भी है। भारत का आयात लगातार निर्यात से अधिक रहा है। यदि तेल आयात पर खर्च बढ़ता है और विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। रिजर्व बैंक को रुपये को संभालने के लिए डॉलर बेचने पड़ सकते हैं। प्रवासी भारतीयों से आने वाली विदेशी मुद्रा में कमी और वैश्विक मंदी की आशंका इस संकट को और गंभीर बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह दौर सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। विपक्ष पहले ही बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता जैसे मुद्दों पर सरकार को घेर रहा है। यदि महंगाई लगातार बढ़ती है और जनता की क्रय शक्ति घटती है, तो इसका सीधा असर राजनीतिक माहौल पर पड़ेगा। इतिहास गवाह है कि आर्थिक संकट अक्सर सामाजिक असंतोष को जन्म देता है।

ऐसे समय में केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को ठोस आर्थिक रणनीति, पारदर्शी संवाद और राहत उपायों के साथ आगे आना होगा। विपक्ष को भी राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर रचनात्मक सहयोग की भूमिका निभानी चाहिए। देश आर्थिक चुनौतियों का सामना केवल सामूहिक विश्वास, संतुलित नीतियों और जिम्मेदार नेतृत्व से ही कर सकता है। इस तरह की चेतावनियां जारी कर जनता को डराने के बजाय भरोसा दिलाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

# (चिंतन-मनन) श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

# बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ़ लिया

हरदीप सिंह पुरी

हावड़ा कभी एशिया का शेफील्ड कहलाता था। हुगली नदी के किनारे स्थित जूट मिलें इस उपमहाद्वीप के संगठित उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र हुआ करती थीं। कोलकाता भारत की वाणिज्यिक राजधानी हुआ करती थी। बिड़ला एवं टाटा घरानों के साथ-साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के मुख्यालय भी यहीं स्थित थे। बर्नपुर स्थित इस्को की स्थापना 1918 में हुई थी, जबकि दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वितीय पंचवर्षीय योजना का हिस्सा था। वर्ष 1950-51 में, बंगाल ने देश के कुल मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादन में लगभग 27 प्रतिशत हिस्से का योगदान किया था। मैं उस कलकत्ता को जानता था। विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, मेरी शुरुआती नौकरियों में से एक इसी शहर में हिंदुस्तान लीवर में थी। कलकत्ता तब भी एक ऐसी जगह थी, जहां अपने संदूक के साथ आने वाला एक युवक इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता था कि वह उस जगह पर आ गया है जहां से इस देश का वाणिज्य संचालित होता है। बत्तियां जलती रहीं। ट्रामें चलती रहीं। कंपनियों ने भर्तियां जारी रखीं।

जिस चीज को बनाने में एक सदी लगी थी, उसे आर्थिक कुप्रबंधन से कहीं बढ़कर सोची-समझी साजिश के जरिए ध्वस्त कर दिया गया। वाम मोर्चा ने 1977 में सत्ता संभाली। यह मोर्चा चौंतीस वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहा। श्रमिक वर्ग के हितों की नारेबाजी का आड़ में, एक संगठित समानांतर राज्य ने जड़ें जमा लीं। मकान बनाने से लेकर दुकान चलाने, भट्टी स्थापित करने, परिवहन मार्ग को पंजीकृत कराने और पंचायत की बैठक आयोजित करने तक के लिए इजाजत लेनी होती थी। ये इजाजतें एक चंदे की एवज में मिलती थीं। कार्यकर्ता ये चंदा इकट्ठा करते थे। सत्तारूढ़ पार्टी में उसे अपने खाते में जमा करती थी। पूंजीपतियों को राज्य से निकाल बाहर करने वाली ट्रेड यूनियनबाजी इसका प्रत्यक्ष पहलू थी। जबरन वसूली से त्रस्त आम नागरिकों के वहां से निकल जाने की परिघटना तो खैर कैमरों में कैद ही नहीं हुई। वर्ष 2000 के दशक में, जब वाम मोर्चा ने खुद अपना रुख बदलने और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने की कोशिश की, तो विपक्ष में बैठी तृणमूल कांग्रेस ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, यह परियोजना 2008 में गुजरात चली गई। माफिया ने अपना चोला बदल लिया; वह खत्म नहीं हुआ।

वर्ष 2011 में, तृणमूल कांग्रेस 'परिवर्तन' के वादे पर सत्ता में आई। इसके बाद जो कुछ हुआ, वह नए रूप में पुरानी ही व्यवस्था के लौट आने जैसा था। चंदा, अब एवजी-रकम बन गया। कार्यकर्ता सिंडिकेट बन गए। राष्ट्रीय स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग में बंगाल की 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। कभी राष्ट्रीय औसत का 127 प्रतिशत रहने वाली, प्रति व्यक्ति आय लुढ़कर 84 प्रतिशत पर आ गई है। छह हजार से अधिक पंजीकृत कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं। कभी हावड़ा या साल्ट लेक में काम करने वाले बंगाल के बच्चे, अब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में रहते हैं। अपनी नौकरी और अपने पैसों को राज्य से बाहर जाता देखने वाले, मतदाताओं को अपना हिसाब बराबर करना था और उनके हाथ में हिसाब बराबर करने का जरिया एक मतपत्र ही था।

इस बदले के केन्द्र में महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा रिकॉर्ड था, जिसका बचाव आजाद भारत के किसी भी सत्ताधारी को नहीं करना पड़ा। एक महिला मुख्यमंत्री के शासनकाल में राज्य की महिलाओं पर निर्मम अत्याचार हुए और उनकी हत्याएं हुईं। अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या कर दी गई। रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फोड़ की गई। कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर-बितर करने की कोई कोशिश नहीं की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच भरोसेमंद नहीं है। जूनियर डॉक्टरों की 42 दिनों की हड़ताल हुई। इस हड़ताल में कई महिला डॉक्टर शामिल रहीं।जनवरी 2024 में, संदेशखाली की घटना हुई। सुंदरबन के एक द्वीप की महिलाएं तृणमूल के एक जिला परिषद सदस्य के खिलाफ सड़कों पर उतर आईं। तृणमूल का वह नेता पचपन दिनों तक फरार रहा। जबकि, राज्य की पुलिस चुपचाप बैठी रही और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। कभी अपने आंदोलनों के दौरान 'परिवर्तन' की बात करने वाली, एक मुख्यमंत्री ने एक ऐसे शासन का नेतृत्व किया जिसमें उनके राज्य की महिलाओं को उनके ही कार्यकर्ताओं के खिलाफ अदालतों व केन्द्रीय एजेंसियों की शरण लेनी पड़ी और सड़कों पर उतरना पड़ा। यह बेहद निंदनीय है। और घोर अन्यायपूर्ण भी।बंगाल की महिलाओं को जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसकी बराबरी केवल राज्य के युवाओं द्वारा उठाए गए नुकसान से ही की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई पहली छापेमारी की रात सॉल्ट लेक के एक बंद फ्लैट से 21 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। संबंधित संपत्तियों से हुई बरामदगी के बाद कुल राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। माता के स्वास्थ्य में पहले की अपेक्षा सुधार आयेगा और माताजी आज आपसे डिमांड कर सकती हैं। आज फाइनेंस के मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियाँ लेकर आया है। आज आपको शुभ समाचार मिलने के योग नजर आ रहे हैं। आज उचित व्यवस्था हो जाने के बावजूद मन में कुछ परेशानी बनी रहेगी, अपना मनोबल मजबूत रखें। आज आय के साथ-साथ खर्चे भी बढ़ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज बड़ों का सानिध्य मिलेगा और घर में सुख सुविधा संबंधी वस्तुओं की खरीदारी होने की संभावना है। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति से मुलाकात द्वारा कुछ बेहतरीन जानकारियां हासिल होंगी। अगर आपका सरकारी मामला फंसा हुआ है तो उससे संबंधित फैसला आपके पक्ष में होने के योग हैं।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज ऑफिस में आपके परफॉरमेंस की तारीफ होगी। आज बिजनेस के रुके हुए काम पूरे करने में सफलता मिल सकती हैं। कुछ अन्य काम की भी शुरुआत करने की योजना बनाई हाई है तो उस पर भी विचार-विमर्श और अमल करने का उचित समय है।

सिंह राशि- आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। जो लोग स्थान परिवर्तन के लिए इच्छुक हैं, आज उनकी यह इच्छा पूरी होने के योग है। आपकी सकारात्मक सोच से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। पारिवारिक और सामाजिक गतिविधियों में भी आपका योगदान रहेगा।

कन्या राशि-आज आपका दिन बेहतरीन होने वाला है। आज अचानक आय के नए रास्ते मिलेंगे, जिसका लाभ उठाने में आप सफल होंगे। आज रोज से ज्यादा दौड़-भाग रहेगी व किसी रिश्तेदार या दोस्त की मदद से प्रोत्साहन मिलेगा। जिससे आप परिवार की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा लेंगे। फोन या ईमेल के माध्यम से खास सूचना मिल सकती है। संतान की किसी उपलब्धि से मन में प्रसन्नता रहेगी। दांपत्य जीवन में चली आ रही समस्याएं समाप्त होगी।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में दूरदर्शिता बनाए रखें जल्दबाजी करना उचित नहीं है। यदि लोन लेने की योजना बनाई है तो उससे संबंधित अभी और अधिक जानकारियां लेने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज व्यापार में लाभ के योग हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में आपकी छवि के अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। आपके बिजनेस में उलझने रहेंगी, लेकिन मेहनत से आप इनको सुलझा लेंगे। किसी भी कार्य में स्वयं के निर्णय को ही प्राथमिकता दें, दूसरों की बातों में आकर अपना नुकसान करने की भूल न करें।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। आज आप नया बिजनेस शुरू करने की प्लानिंग करेंगे। आज किसी विशेष क्षेत्र में की गई मेहनत का उचित परिणाम प्राप्त होने के आसार हैं। आज दूसरों से भी अपना काम निकलवाने में सफल रहेंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपकी मेहनत का आपको अच्छा रिजल्ट मिलेगा। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज परिवार में भाई-बहनों से मदद लेनी पड़ सकती हैं। विचार न मिलने की वजह से पड़ोसियों अथवा आसपास के लोगों के साथ सामंजस्य बिठाने में कुछ परेशानी हो सकती है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका मन दान-पुण्य में अधिक लगेगा। आज की दिनचर्या में आप बीते दिनों की तुलना में आप कुछ जादा व्यस्त रहेंगे। लेकिन आपके प्रयासों से व्यवस्था भी सामान्य हो जाएगी। किसी मित्र की मदद द्वारा मुश्किल राह आसान होने से मानसिक संतुष्टि मिलेगी।

मीन राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रहे तनाव से आज राहत आपको मिलेगी। अनुभवी लोगों के सानिध्य से आपको कुछ सकारात्मक अनुभव मिलेंगे। अपने कठिन परिश्रम से आज अपने कार्यक्षेत्र में उद्देश्य को पूर्ण कर लेंगे।

# होर्मुज की तपिश में सरकार की छाँव

**- डॉ. सुयश नारायण मिश्रा**

घर-परिवार हो या कोई देश आकस्मिक आपदा किसी पर भी कभी भी आ सकती है। विगत दिनों में ईरान और अमेरिका के युद्ध के चलते होर्मुज बंद हो गया, जिसके कारण जहाजों की आवाजाही बंद हो गई। युद्ध के शुरूआती दौर में तो यह लगा था कि तेल और गैस की किल्लत से सभी जगह त्राहि-त्राहि मच जायेगी लेकिन भारत में ऐसा नहीं हुआ। सभी घरों में चूल्हे जलते रहे, वाहन चलते रहे, बच्चों की पढाई सुव्यवस्था के साथ चलती रही। यह सब कुछ तभी संभव हो सका क्योंकि हमारा मुखिया, हमारा संरक्षक जिम्मेदार और दूरदर्शी है।

हमारी सरकार ने कुशल नेतृत्व के साथ इस मुसीबत की घड़ी में अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए बढ़ती कीमतों के बोझ को अपने तक ही सीमित रखा, जनता को उस तकलीफ से रूबरू ही नहीं होने दिया। जबकि वास्तविकता तो यह है कि हमारी तेल कंपनियों को प्रतिदिन रू. 1000 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ रहा है, अर्थात थोड़े में कहें तो हमारी सरकार को इस युद्ध के कारण रू. 68,000 करोड़ का भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावा इस युद्ध का बोझ हमारे तेल भंडारों पर भी पड़ रहा है, उनका स्तर निरंतर नीचे गिर रहा है और जिसको बनाये रखने में निवेश की आवश्यकता पड़ रही है। इस सब का असर सरकार के सेंट्रल एक्साइज पर भी पड़ रहा है। यानी तीन अलग-अलग दिशाओं में भारत को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भारी नुकसान के चलते निरंतर गिरती अर्थव्यवस्था को समय रहते सुधारना ही होगा और इसके लिए सरकार के साथ प्रत्येक नागरिक का भी दायित्व है कि वो अपनी भागीदारी समझे। ऐसे कठिन समय में जब आर्थिक मार हर घर, हर व्यक्ति तक पहुँच गई हो, गाड़ियां खड़े होने के कगार पर हों, किसी भी सरकार के लिए बहुत आसान रास्ता था इस आर्थिक बोझ को जनता के ऊपर डालकर अलग हो जाना। लेकिन हमारी संवेदनशील सरकार ने अपनी सूझ बूझ से न केवल जनता को राहत दी बल्कि

अपनी नीतिगत कुशलता से जनता को ऐसा छत्र दिया जिससे जनता का सामान्य जीवन अस्त व्यस्त होने से बच गया।

युद्ध न रुकने से जहाँ वैश्विक ऊर्जा संकट निरंतर बढ़ता ही जा रहा है वहीं होर्मुज का रास्ता साफ होने के भी कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि भविष्य में युद्ध विराम हो भी गया तो स्थिति को संभलने में कम से कम चार महीने लग जाएंगे, जिसके चलते अधिक समय तक तेल और गैस के दाम उच्च स्तर पर बने रह सकते हैं। परन्तु युद्ध के इस ग्यारहवें सप्ताह में सरकार द्वारा अपनाएं वर्तमान मॉडल को यदि और आगे खींचा गया तो इसके प्रतिकूल प्रभाव हमारी अर्थयवस्था पर पडने लगेंगे।

इन परिस्थितियों में हमारे सामने तीन चुनौतियां हैं- पहली चुनौती तेल भंडार से जुड़ी है। भारत का तेल भंडार आज 5.33 मिलियन टन पर है, जो लगभग दो सप्ताह की आवश्यकता पूरी कर सकता है। आईईए मानक नब्बे दिनों का है। चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में 6.5 मिलियन टन का दूसरा चरण निर्माणाधीन है, और इसे त्वरित समय-सीमा पर पूरा करना होगा। साथ ही, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है। इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है।

दूसरी चुनौती रिफाइनिंग और घरेलू उत्पादन की है। हमें अपनी रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाना होगा। इसके लिए पहले ही कदम उठाये जा चुके हैं। नुमालीगढ़, जहाँ रु. 34,000 करोड़ की लागत से 3 से 9 एमएमटीपीए तक का विस्तार हो रहा है, उसे समय से पहले परिचालन में लाना होगा। बाड़मेर का संयंत्र अब परिचालन में है। पश्चिमी तट के एकीकृत संयंत्र विभिन्न चरणों में हैं। साथ ही घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन, जो आज मांग का मात्र 12 प्रतिशत पूरा करता है, उसको बढ़ाना होगा।

तीसरी चुनौती इथनॉल ब्लेंडिंग की है, आज बीस प्रतिशत ब्लेंडिंग करके देश 1.5 लाख करोड़ से अधिक की विदेशी मुद्रा बना पा रहा है। इस कठिन समय में वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एल पीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रतिदिन कम किया जा रहा है। आर्थिक नीतियों के जानकारों का कहना है कि यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायो गैस की वैकल्पिक संरचना संकट आने से पहले ही तैयार कर ली गई थी।

जो विशेषज्ञ इस दिशा में लगातार शोध कार्य कर रहे हैं उनका मानना है कि आज की तुलना में आने वाला समय और भी कठिन होगा, तब हमें इस संकट के समय जो हमने व्यय किया उससे उबरना भी होगा और ऐसी योजनाएं जो भविष्य में हमें मजबूती दे सकें उन योजनाओं में निवेश भी करना होगा।

विश्व के इस संकट के समय में जब लगभग सभी देशों में पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी गयीं, श्रीलंका, पाकिस्तान में चार दिवसीय कार्य सप्ताह कर दिया गया, फिलीपींस में राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल लगा दिया गया, भारत में जनजीवन सामान्य बना रहा। न तो भारत में कोई ईंधन राशनिंग हुई न वर्क फ्राम होम हुआ, न ही स्कूल बंद हुए, न ईंधन संकट हुआ और सबसे महत्वपूर्ण बात पेट्रोल के दाम भी नहीं बढ़े। इसे कर दिखाना इतना आसान तो नहीं था पर हमारे प्रधान मंत्री के कुशल नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने शिव की भाँति युद्ध से उपजे समस्त गरल को स्वयं ही पी लिया।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 13 मई 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

# भाजपा-चुनाव आयोग के 'चोर बाजार' में - जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम : राहुल गांधी

नई दिल्ली (ए.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना की, जब राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल को मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। एक फेसबुक पोस्ट साझा करते हुए, कांग्रेस सांसद ने चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए लिखा कि भाजपा-चुनाव आयोग के 'चोर बाजार' में - जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम। सोमवार को भाजपा सरकार ने मनोज कुमार अग्रवाल को मुख्य सचिव नियुक्त किया। पश्चिम बंगाल सरकार की अधिसूचना में कहा गया है कि राज्यपाल मनोज कुमार अग्रवाल (एएस (डब्ल्यूबी: 1990), मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिम बंगाल, और पदेन अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह एवं पर्वतीय मामलों

(चुनाव) विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार को अगले आदेश तक पश्चिम बंगाल सरकार का मुख्य सचिव नियुक्त करते हैं। राज्य विधानसभा चुनावों से पहले, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर टीएमसी और ईसीआई के बीच का विवाद काफी चर्चा में रहा। 2026 के विधानसभा चुनाव परिणामों ने भाजपा को निर्णायक जनादेश दिया, जिससे 294 सदस्यीय विधानसभा में उसकी सीटों की संख्या पिछले चुनाव के 77 से बढ़कर 206 हो गई। पिछले चुनाव में 212 सीटें जीतने वाली टीएमसी 80 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही और राज्य में उसका 15 साल का शासन समाप्त हो गया। कांग्रेस को केवल दो सीटें मिलीं। चुनाव में जीत के बाद, सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। कोलकाता में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल आरएन रवि ने उन्हें शपथ दिलाई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर नर्सिंग अधिकारी पूनम वर्मा को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 2026 प्रदान किया।

## छत्तीसगढ़ में शादी का जश्न मातम में बदला, तरबूज खाने से किशोर की मौत, 4 की हालत गंभीर

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के एक गांव में शादी के बाद परिवार के साथ खुशी-खुशी शुरू हुई मुलाकात उस समय दहशत, अस्पताल में भागदौड़ और मौत में तब्दील हो गई, जब घर में रखे तरबूज खाने के कुछ ही घंटों के भीतर पांच बच्चे अचानक बीमार पड़ गए। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चंपा जिले में शादी समारोह के बाद की खुशी भरी मुलाकात उस समय दिल दहला देने वाली घटना में तब्दील हो गई, जब तरबूज खाने के बाद पांच बच्चे अचानक बुरी तरह बीमार पड़ गए। इनमें से एक किशोर की मौत हो गई और चार अन्य अस्पताल में इलाज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सोमवार दोपहर घुरकोट गांव में एक दुखद घटना

घटी। शादी के बाद की हंसी-खुशी और जश्न का माहौल उस समय अफरा-तफरी में बदल गया जब घर में रखा तरबूज खाने के कुछ ही घंटों बाद बच्चे उल्टी करने लगे, पेट में तेज दर्द होने लगा और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। जब तक उनके परिवार वाले उन्हें जिला अस्पताल ले गए, तब तक 15 वर्षीय अखिलेश धीवर ने प्रतिक्रिया देना बंद कर दिया था। बाद में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, बच्चे एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने मामा के गांव पहुंचे थे। दोपहर करीब 12 बजे, उन्होंने घर पर तरबूज और अन्य खाद्य पदार्थ खाए। इसके बाद जो हुआ, उससे पूरा गांव हिल गया। लगभग दो घंटे के भीतर, पांचों बच्चों को उल्टी, दस्त और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। उनकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी, जिससे परिवार के सदस्यों में दहशत फैल गई और वे उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए दौड़ पड़े। बच्चों की पहचान पोडी दलहा के अखिलेश धीवर, अवरीद के श्री धीवर, खटोला के पिंटू धीवर और कोटगढ़ के नरेंद्र धीवर और हितेश धीवर के रूप में हुई।

## ईडी की हिरासत में मंत्री संजीव अरोड़ा को बड़ी राहत; पसंद का वकील चुनेंगे, रिमांड में रोज 1 घंटा मुलाकात की छूट

गुरुग्राम, (आरएनएस)। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने ईडी रिमांड पर भेजे जाने के बाद गुरुग्राम की विशेष अदालत में एक अर्जी दाखिल की है। इसमें अदालत से अनुमति मांगी गई कि ईडी अधिकारी उन्हें अपनी पसंद का वकील चुनने दें, जिसके लिए वकालतनामा पर हस्ताक्षर करने दें, ताकि वह आधिकारिक तौर पर उनका केस लड़ सकें। मामले की सुनवाई पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश एवं जिला जज नरेंद्र सूरा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से मौजूद विशेष लोक अभियोजक साइमन बेंजामिन ने इस मांग पर कोई आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने अदालत को बताया कि विभाग को इस बात से कोई एतराज नहीं है कि संजीव अरोड़ा अपनी पसंद के वकील को नियुक्त करें। इसके बाद अदालत ने अर्जी स्वीकार करते हुए जांच अधिकारी को तुरंत आदेश का पालन करने के निर्देश दिए।

## स्कूल गेट में घुसा तेज रफ्तार ट्राला, बड़ा हादसा टला

फतेहाबाद ,(आरएनएस)। हरियाणा में फतेहाबाद-रतिया रोड स्थित गांव अयाल्की में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया, जब तेज रफ्तार ट्राला गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मुख्य गेट में जा घुसा। गनीमत रही कि हादसे के समय गेट के पास कोई छात्र या स्कूल स्टाफ मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। स्कूल का मुख्य गेट इस हादसे में हालांकि पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बिजली की तारें भी लटक गईं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्राला रतिया की ओर से फतेहाबाद आ रहा था। स्कूल के पास बने स्पीड ब्रेकर पर पहुंचते ही चालक को नींद की झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गया और सीधे स्कूल के गेट से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सीमेंट का गेट टूटकर बिखर गया। बताया जा रहा है कि ट्राला बाद में गेट के पास खड़े पेड़ से टकराकर रुका। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने बताया कि इसी गेट से मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल और गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल के बच्चे आते-जाते हैं। हादसा स्कूल की छुट्टी से कुछ समय पहले हुआ। लोगों का कहना है कि यदि उस समय बच्चे गेट के पास होते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

## राष्ट्रीय क्रांति पार्टी (अंबेडकर) ने शिरोमणि अकाली दल को बिना शर्त समर्थन देने का किया ऐलान

चंडीगढ़,(आरएनएस)। राष्ट्रीय क्रांति पार्टी (अंबेडकर) ने आगामी नगर निगम और विधानसभा चुनावों में शिरोमणि अकाली दल को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिंगारा सिंह कल्याण ने सोमवार को अपनी कोर कमेटी सहित शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल से मुलाकात की और उन्हें सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल ने अनुसूचित जातियों, विशेषकर वाल्मीकि समाज के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए थे, जिन्हें समाज कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि अकाली दल को समर्थन देकर पार्टी उनकी सेवाओं को राजनीतिक श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है। उन्होंने श्री बादल से मांग की कि भविष्य में अकाली सरकार बनने पर मजहबी सिख समाज के सामाजिक और राजनीतिक उत्थान के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। बादल ने समर्थन का स्वागत करते हुए कहा कि शिरोमणि अकाली दल हमेशा सभी धर्मों और वर्गों का सम्मान करता आया है। उन्होंने कहा कि अमृतसर स्थित भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मिला यह समर्थन समाज सेवा के लिए पार्टी को और मजबूती देगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक एन के शर्मा , राजिंदर अटवाल, दीपक घई, विकास हंस समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और दोआबा, माझा व मालवा क्षेत्रों के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की मदद पर भारत की चाईना को दो टूक, आतंक का साथ साख खराब करेगा

नई दिल्ली (ए.)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी सहायता देने की चीनी स्वीकारोक्ति पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, और कहा कि आतंकी ढांचे का समर्थन करने से चीन की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है। यह बयान एक चीनी इंजीनियर के उस खुलासे के बाद आया है, जिसमें उसने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई के दौरान पाकिस्तान की मदद करने की बात स्वीकार की थी। भारत ने मंगलवार को उन रिपोर्टों पर तीखी प्रतिक्रिया जारी की जिनमें दावा किया गया था कि चीन ने पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद की थी। भारत ने कहा कि जो देश खुद को इसके लिए जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि इस तरह की कार्रवाइयां उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा को कैसे प्रभावित करती हैं।

## हरियाणा के शहरों में गंदगी से बीमारियों का खतरा सरकार तुरंत निकाले समाधान : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,(आरएनएस)। हरियाणा में सिरसा सीट से सांसद कुमारी सैलजा ने गुरुग्राम सहित हरियाणा के विभिन्न शहरों में फैली गंदगी और चरमराई सफाई व्यवस्था पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर सरकार गंभीर नजर नहीं आ रही, जिसके चलते शहरों की सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों में कचरे के ढेर लगे हुए हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि पिछले करीब 11 दिनों से सफाई कार्य प्रभावित होने के कारण आमजन का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शहरों में फैली गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जैसे अंतरराष्ट्रीय पहचान वाले शहर में हजारों टन कचरा सड़कों पर पड़ा होना सरकार और प्रशासन की विफलता को दर्शाता है। भारी टैक्स देने वाले नागरिकों को यदि साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधा भी न मिले तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी शहरों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनकी जायज मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। ठेका प्रथा, नियमितीकरण, बकाया वेतन और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से बातचीत करनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद ही समाधान का रास्ता होता है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार से मांग की कि वह तुरंत सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर समाधान निकाले, ताकि जनता को राहत मिल सके और शहरों में सफाई व्यवस्था सामान्य हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों के अधिकारों और जनता के स्वास्थ्य दोनों के प्रति समान संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

## सीएम का बड़ा फैसला, धार्मिक स्थलों, स्कूलों और बस स्टैंडों के पास शराब की दुकानें होंगी बंद

चेन्नई, ,(आरएनएस)। तमिलनाडु में जनहित को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार ने अगले दो हफ्तों के भीतर 717 तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) शराब दुकानों को बंद करने का आदेश जारी किया है। ये सभी दुकानें धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में संचालित हो रही थीं।तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन (टीएएसएमएसी) के तहत फिलहाल राज्य में कुल 4,765 शराब की खुदरा दुकानें संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे ऐसे शराब दुकानों की पहचान करें, जो मंदिर, मस्जिद, चर्च, स्कूल, कॉलेज और बस स्टैंड्स के बेहद करीब स्थित हैं। सरकार द्वारा कराए गए सर्वे में सामने आया कि कुल 717 टीएएसएमएसी दुकानें निर्धारित 500 मीटर की सीमा के भीतर चल रही हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जनहित और सामाजिक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इन दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बंद होने वाली दुकानों में 276 शराब दुकानें धार्मिक स्थलों के पास स्थित हैं। वहीं 186 दुकानें शैक्षणिक संस्थानों के करीब और 255 दुकानें बस स्टैंड्स के आसपास संचालित हो रही थीं। मुख्यमंत्री के इस फैसले को राज्य में सामाजिक सुधार और सार्वजनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

## 26 घंटे और तीन कत्ल, एनकाउंटर में ढेर हुआ अमृतसर का रहने वाला साइको सीरियल किलर; फौज से हुआ था रिटायर

अमृतसर/लखनऊ ,,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में 26 घंटे तक दहशत बने साइको किलर और रिटायर्ड फौजी गुरप्रीत सिंह को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। आरोपी ने 24 से 26 घंटे के भीतर तीन सनसनीखेज हत्याओं को अंजाम देकर इलाके में भय का माहौल पैदा कर दिया था।

पुलिस के अनुसार, गुरप्रीत सिंह पंजाब के अमृतसर का रहने वाला था और उसने वर्ष 2021 में सेना की नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद उसने सामान्य जीवन जीने की कोशिश की, लेकिन शराब की लत और मानसिक अस्थिरता के कारण वह अपराध की ओर बढ़ता चला गया। कुछ समय तक उसने बिहार के आरा में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी की, लेकिन नौकरी छूटने के बाद उसकी मानसिक स्थिति और बिगड़ गई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने किसी निजी दुश्मनी के बजाय लोगों को रैंडम तरीके से निशाना बनाया। पहली वारदात उसने 10 मई को अलीनगर थाना क्षेत्र के

दरियापुर गांव के पास ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में की, जहां जमानिया निवासी मंगरू की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद 11 मई की रात कोलकाता से जम्मूतवी जा रही एक्सप्रेस ट्रेन में उसने एक अन्य यात्री को गोली मार दी। तीसरी और सबसे सनसनीखेज घटना सोमवार सुबह हुई, जब आरोपी ने अलीनगर स्थित जीवक अस्पताल में भर्ती एक महिला के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी।अस्पताल में हुई वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन हिस्ट्री के आधार पर पुलिस ने तीनों हत्याओं में उसकी संलिप्तता की पुष्टि की।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसओजी, जीआरपी, अलीनगर पुलिस और सकलडीहा पुलिस की संयुक्त टीम आरोपी को घटनास्थलों पर ले जाकर सीन रीक्रिएशन कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की पिस्टल छीन ली और भागने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, उसने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसके सीने में गोली लगी।गंभीर रूप से घायल गुरप्रीत सिंह को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मुठभेड़ में जीआरपी के एक हेड कांस्टेबल समेत दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से रिवॉल्वर, कारतूस और कटी हुई डीबीबीएल गन बरामद करने का दावा किया है। पुलिस अधीक्षक ने मुठभेड़ और आरोपी की मौत की आधिकारिक पुष्टि की है।

## पीएम मोदी की अपील पर शरद पवार ने सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कटौती वाली अपील पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं के देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मध्य पूर्व में अस्थिर और युद्धग्रस्त हालात को देखते हुए, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिन पहले कुछ घोषणाएं कीं। इन घोषणाओं के देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। चूंकि ये घोषणाएं अचानक की गईं, इसलिए आम जनता-व्यापार और औद्योगिक क्षेत्रों के साथ-साथ निवेशकों के बीच भी बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया है। यह निस्संदेह रूप से चिंता का विषय है। उन्होंने पीएम मोदी से अपील करते हुए कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री को अपनी अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी दलों के नेताओं को विश्वास में लेकर निर्णय लेने की प्रक्रिया को लागू करना देश के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति को देखते हुए, केंद्र सरकार को अधिक संवेदनशीलता और व्यापक परामर्श को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। शरद पवार ने आगे लिखा, इसके साथ ही, प्रधानमंत्री को देश के प्रख्यात अर्थशास्त्रियों, उद्योग प्रतिनिधियों और संबंधित विशेषज्ञों की तत्काल बैठक बुलाकर स्थिति की गहन समीक्षा करनी चाहिए।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में ओमान के वाणिज्य मंत्रालय में विदेश व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सलाहकार, महामहिम पंकज खिमजी के साथ चर्चा की।

## केरल के मुख्यमंत्री की रेस में केसी वेणुगोपाल की संभावना अधिक

तिरुवनंतपुरम (ए.)। केरल के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अब सिर्फ तीन नेता ही मैदान में बचे हैं। हालांकि, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की पार्टी के कई नेताओं के साथ हुई अहम बैठक के बाद केसी वेणुगोपाल की संभावनाओं को बड़ा बल मिला है। गांधी ने सोनिया गांधी के जनपथ स्थित 10वें आवास पर केरल के कई पार्टी नेताओं से मुलाकात की, जिनमें पूर्व राज्य इकाई प्रमुख, कार्यकारी अध्यक्ष और अन्य प्रमुख नेता शामिल थे। इस बैठक में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम एम हसन, के सुधाकरन और मुरलीधरन, केरल कांग्रेस अनुशासन समिति के प्रमुख थिरुवनचूर राधाकृष्णन, साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष शफी परम्बिल, ए पी अनिल कुमार और पी सी विश्वनाथ भी उपस्थित थे। हिंदुस्तान टाइम्स के अनुसार, केरल कांग्रेस के पांच पूर्व अध्यक्षों और केपीसीसी के तीन कार्यकारी अध्यक्षों में से सात ने वेणुगोपाल को केरल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में समर्थन दिया है। एक अन्य दावेदार, वी.डी. सतीशान को दो नेताओं का समर्थन मिला, जबकि एक नेता ने तटस्थ रहना पसंद किया। वरिष्ठ पार्टी नेता रमेश चेन्निथला का नाम दौड़ से बाहर होता दिख रहा है क्योंकि उन्हें समर्थन नहीं मिला। मुख्यमंत्री के चयन में देरी से केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) में तीव्र राजनीतिक हलचल मच गई, और शीर्ष तीन दावेदारों के समर्थकों ने राजधानी में विरोध प्रदर्शनों, पोस्टरों और रैलियों के माध्यम से अपने पसंदीदा नेताओं के लिए समर्थन व्यक्त किया। बैठक के दौरान, राहुल गांधी ने कथित तौर पर केरल कांग्रेस के भीतर आपस में लड़ रहे गुटों द्वारा किए जा रहे रोड शो और शक्ति प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त की। बैठक के बाद, केरल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के. मुरलीधरन ने कहा कि उम्मीदवार की घोषणा मंगलवार रात या बुधवार सुबह तक कर दी जाएगी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी आज शाम ही बेंगलुरु से लौट रहे हैं। उनके लौटने के बाद एक और चर्चा होगी और वे सोनिया गांधी से भी बात करेंगे। उसके बाद, आज रात या कल सुबह तक फैसला आ जाएगा।

# ‘इश्क दम और इडली रसम’ में दिखेगा प्यार और संस्कृति का मेल

मुंबई (ए.)। अपनी नई वेब सीरीज ‘इश्क दम और इडली रसम’ को लेकर अभिनेत्री सुरभि चंदना काफी उत्साहित हैं। सुरभि का कहना है कि यह सीरीज सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि प्यार, परिवार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का खूबसूरत उत्सव है। इस खास प्रोजेक्ट में वह सिर्फ अभिनय ही नहीं कर रही हैं, बल्कि एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में भी जुड़ी हुई हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले बनी यह सीरीज दर्शकों को दक्षिण भारतीय खाने की खुशबू, रिश्तों की गर्माहट और यादों से भरी एक भावनात्मक यात्रा पर ले जाएगी। सीरीज की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समय और परिस्थितियों से संघर्ष कर रहा है। कहानी के केंद्र में मीरा नायर नाम की एक युवा शेफ है, जिसका किरदार अभिनेत्री शाइनी दोशी ने निभाया है। मीरा अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभाल रही है और उसके लिए यह रेस्टोरेंट सिर्फ कारोबार नहीं, बल्कि भावनाओं और पारिवारिक मूल्यों का हिस्सा है।

वह मानती है कि खाना केवल स्वाद नहीं, बल्कि सेवा, अपनापन और जिम्मेदारी का प्रतीक होता है। कहानी में नया मोड़ तब आता है जब अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जिसका किरदार अभिनेता अभिषेक कुमार निभा रहे हैं। अर्जुन एक प्रतिभाशाली शेफ और निवेशक है, जो रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का सपना दिखाता है। हालांकि उसकी सोच और काम करने का तरीका मीरा की दुनिया को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखता है। इसी टकराव और भावनात्मक संघर्ष के बीच रिश्तों, सपनों और बदलाव की कहानी आगे बढ़ती है। सुरभि चंदना ने इस प्रोजेक्ट को अपने करियर का बेहद खास पड़ाव बताया है। उन्होंने कहा कि इस शो से वह शुरुआत से ही भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थीं।

उनके मुताबिक कैमरे के पीछे रचनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा बनना उनके लिए एक बेहद खूबसूरत अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि यह शो सादगी और अपनापन से भरी कहानी है, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगी। वहीं अभिनेता अभिषेक कुमार ने कहा कि यह कोई साधारण प्रेम कहानी या शेफ ड्रामा नहीं है। उनके अनुसार इस शो में खाना लोगों की भावनाओं, उनके अतीत और रिश्तों को समझने का माध्यम बनता है। उन्होंने अर्जुन के किरदार को अब तक निभाए गए सबसे चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक बताया।

# अनोखे ‘मेट गाला’ अवतार में दिख रहे गजराज और नीना गुप्ता

मुंबई (ए.)। सोशल मीडिया पर इन दिनों चैटजीपीटी और एआई टूल्स की बढ़ती लोकप्रियता के बीच ‘मेट गाला’ से जुड़ा एक नया ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब लोगों की कल्पनाओं को नई उड़ान देने लगा है।मेट गाला में सितारे अपने अनोखे फैशन स्टाइल से सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं आम सोशल मीडिया यूजर्स और सेलिब्रिटीज भी एआई की मदद से खुद के ‘मेट गाला’ लुक तैयार कर रहे हैं। इसी ट्रेंड में अब अभिनेता गजराज राव भी शामिल हो गए हैं। गजराज राव ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उनके साथ अभिनेत्री नीना गुप्ता भी नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि इन तस्वीरों को एआई की मदद से तैयार किया गया है। तस्वीरों में दोनों कलाकारों को बेहद ग्लैमरस और अनोखे ‘मेट गाला’ अवतार में दिखाया गया है। गजराज राव भारी-भरकम और अजीबोगरीब डिजाइन वाले कोट में नजर आ रहे हैं, जबकि नीना गुप्ता का लुक किसी हॉलीवुड फैशन आइकन से कम नहीं लग रहा। एआई से बनाए गए इन लुक्स में इतनी बारीकी और परफेक्शन है कि पहली नजर में वे बिल्कुल असली दिखाई देते हैं। इन तस्वीरों को साझा करते हुए गजराज राव ने मजेदार अंदाज में लिखा, "अगर किसी दूसरी दुनिया में मिस्टर और मिसेज कौशिक को मेट गाला का निमंत्रण मिलता, तो आपको क्या लगता है कि उनका कौन-सा लुक सबसे ज्यादा चर्चा में रहता?" उनके इस कैप्शन ने फैंस को और भी ज्यादा आकर्षित किया। सोशल मीडिया पर लोग इन तस्वीरों पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और दोनों कलाकारों के मजाकिया अंदाज की खूब तारीफ कर रहे हैं। नीना गुप्ता ने भी इस पोस्ट पर हंसने वाले इमोजी के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी, जबकि अभिनेत्री मोना सिंह ने हार्ट इमोजी पोस्ट कर दोनों के लुक्स की सराहना की। गजराज राव और नीना गुप्ता की जोड़ी पहले भी फिल्मों में दर्शकों का दिल जीत चुकी है। दोनों ने ‘बधाई हो’ और ‘शुभ मंगल ज्यादा सावधान’ जैसी फिल्मों में साथ काम किया था। इन फिल्मों में उन्होंने एक पारंपरिक मध्यमवर्गीय दंपति का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने बेहद पसंद किया।

# पुलिस का किरदार निभाने से साफ मना कर दिया था सैफ अली को

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म ‘कर्तव्य’ के ट्रेलर लॉन्च के दौरान अभिनेता सैफ अली खान ने अपने करियर के शुरुआती दिनों से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था जब एक निर्देशक ने उन्हें पुलिस अधिकारी का किरदार निभाने से साफ मना कर दिया था। निर्देशक को लगता था कि सैफ के व्यक्तित्व में उस तरह की गंभीरता और दबदबा नहीं है। सैफ अली खान ने कहा कि उन्हें आज भी वह पल अच्छी तरह याद है, जब उन्होंने पहली बार फिल्म ‘मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी’ के लिए पुलिस की वर्दी पहनी थी। उस समय फिल्म में अक्षय कुमार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे थे, जबकि सैफ एक अलग किरदार में नजर आए थे। अभिनेता ने बताया कि उस दौर में वह फिल्म इंडस्ट्री को समझने और अभिनय की बारीकियां सीखने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि फिल्म के निर्देशक ने उनसे कहा था कि वह कभी भी गंभीरता से पुलिस वाले का किरदार निभाने की कोशिश न करें, क्योंकि उनके अंदर वैसी सख्ती और प्रभाव नहीं दिखाई देता। निर्देशक का मानना था कि यदि सैफ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे तो वह गंभीर कम और कॉमिक ज्यादा लगेगा। सैफ ने कहा कि उस समय यह बात सुनना उनके लिए चौंकाने वाला जरूर था, लेकिन उन्होंने इसे आलोचना नहीं बल्कि सीख की तरह लिया। अभिनेता ने कहा कि समय के साथ लगातार मेहनत, अभ्यास और अनुभव इंसान को बेहतर बनाते हैं।

उन्होंने माना कि अभिनय में चुनौतियां और दबाव जरूरी होते हैं, क्योंकि बिना दबाव के काम में रोमांच नहीं रहता। सैफ के मुताबिक फिल्मों की शूटिंग के दौरान हर दिन अलग होता है। कभी कोई दिन बेहद कठिन होता है, तो कभी काम आसान और संतुलित लगता है। यही उतार-चढ़ाव कलाकार को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनके लिए रोमांटिक-कॉमेडी फिल्में करना ज्यादा आसान है या ‘कर्तव्य’ जैसे गंभीर किरदार निभाना, तो सैफ ने बड़ी ईमानदारी से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि शहरी माहौल में पले-बढ़े होने की वजह से रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों से वह खुद को ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। सैफ ने कहा कि ऐसी फिल्मों में वह कहीं न कहीं खुद का ही एक हिस्सा निभाते नजर आते हैं। उन्होंने बताया कि परिवार, बच्चों की परवरिश, स्कूल और निजी जिंदगी की जिम्मेदारियां जैसी बातें उनकी असल जिंदगी का हिस्सा हैं।

## ईडी के विरोध के बाद सरकारी गवाह बनने से पीछे हटीं जैकलीन, ठग सुकेश के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की थी यह अपील

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में सरकारी गवाह बनने की मांग रखी थी। उन्होंने इसे लेकर अदालत में अर्जी दी थी। मगर, बीते सोमवार ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने इसका विरोध किया। इसके बाद जैकलीन ने अपनी यह अर्जी वापस ले ली है।

**ईडी ने विरोध करते हुए क्या कहा था?**

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की मांग वाली अपनी याचिका वापस ले ली है'। बता दें कि सोमवार 11 मई को ईडी ने जैकलीन की अर्जी का विरोध करते हुए उन्हें ठगी में बराबर का भागीदार कहा था।

**'सुकेश की क्राइम हिस्ट्री पता होने पर भी संपर्क में रहीं'**

कोर्ट के सूत्रों के मुताबिक जैकलीन फर्नांडीज ने आज मंगलवार को 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में सरकारी गवाह बनने की अपनी अर्जी वापस ले ली। इस केस में कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर भी शामिल है। जैकलीन फर्नांडीज के वकील ने इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने स्पेशल जज प्रशांत शर्मा के सामने दायर अपनी अर्जी वापस ले ली है।

# मां बनना जिंदगी का सबसे सुंदर अनुभव : दीपिका सिंह

मुंबई (ए.)। टीवी शो ‘मंगल लक्ष्मी’ में मंगल का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री दीपिका सिंह ने अपने बेटे सोहम को अपनी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा बताया और कहा कि मातृत्व ने उन्हें जीवन को नए नजरिए से समझना सिखाया है। दीपिका सिंह ने मदर्स डे को लेकर अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि मां बनना उनकी जिंदगी का सबसे सुंदर और बदलाव लाने वाला अनुभव रहा है। दीपिका सिंह ने कहा कि एक अभिनेत्री के तौर पर उन्होंने पर्दे पर कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन अपने बेटे सोहम की मां बनना उनके जीवन का सबसे खास और सबसे बड़ा किरदार है। उनके अनुसार मां बनना केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनभर चलने वाला भावनात्मक सफर है, जो हर दिन इंसान को कुछ नया सिखाता है।

अभिनेत्री ने बताया कि उनके बेटे का मासूम और प्यारा स्वभाव उन्हें जिंदगी के छोटे-छोटे पलों की अहमियत का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि कई बार व्यस्त जीवन में लोग छोटी खुशियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन बच्चे हर पल को खास बना देते हैं। दीपिका ने कहा कि जब वह अपने शो में बच्चों के साथ शूटिंग करती हैं, तो उन्हें अक्सर ऐसा महसूस होता है जैसे वह अपने बेटे सोहम के साथ समय बिता रही हों। उन्होंने बताया कि वह अपने बेटे को यह समझाने की कोशिश करती हैं कि प्यार और देखभाल केवल मां तक सीमित नहीं होती। दादी, नानी, मौसी, चाची और शिक्षक जैसे रिश्ते भी बच्चों की जिंदगी में बेहद खास भूमिका निभाते हैं।

दीपिका के मुताबिक परिवार का हर सदस्य बच्चे को स्नेह और संस्कार देने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। दीपिका सिंह ने यह भी कहा कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा उन्हें एक कामकाजी महिला और जिम्मेदार मां दोनों रूपों में देखे। उनके अनुसार जब बच्चे अपनी मां को मेहनत करते हुए देखते हैं, तो उन्हें यह समझ आता है कि सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष और समर्पण कितना जरूरी होता है। मदर्स डे के मौके पर दीपिका ने सभी माताओं और महिलाओं को सम्मान देते हुए कहा कि वह सिर्फ अपने मां होने का जश्न नहीं मना रहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं की ताकत और समर्पण को सलाम करती हैं, जो प्यार और धैर्य के साथ अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाती हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला की पहचान केवल मां होने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह जीवन में कई जिम्मेदारियां एक साथ निभाती है।

# ‘3 इडियट्स’ थीम वाले विज्ञापन में आमिर ने खुद कराई अपनी बेइज्जती

मुंबई (ए.)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सामने आया है, जिसने एक बार फिर साबित कर दिया कि आमिर अपने काम के लिए किसी भी तरह का जोखिम उठाने से पीछे नहीं हटते। यह मामला एक फैंटेसी गेमिंग प्लेटफॉर्म के लिए शूट किए गए ‘3 इडियट्स’ थीम वाले विज्ञापन से जुड़ा है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी नजर आए थे। दरअसल, इस टीवी विज्ञापन की स्क्रिप्ट में एक ऐसा डायलॉग था, जिसे बोलने में जसप्रीत बुमराह सहज महसूस नहीं कर रहे थे। स्क्रिप्ट के अनुसार आमिर खान बल्लेबाजी करते हुए बुमराह से कहते हैं, "ध्यान से बॉल डालियो, मैं बड़े-बड़े हिट्स मारता हूं।"

इसके जवाब में बुमराह को कहना था, "अगर इतने ही बड़े हिट्स मारते हो तो ‘लाल सिंह चड्ढा’ क्यों नहीं चली?" यह लाइन सीधे तौर पर आमिर खान की फिल्म ‘लाल सिंह चड्ढा’ की असफलता पर कटाक्ष करती थी। बताया जाता है कि जसप्रीत बुमराह ने यह संवाद बोलने से साफ इनकार कर दिया था। उन्हें डर था कि राष्ट्रीय टेलीविजन पर ऐसा कहना कहीं आमिर खान के प्रशंसकों को नाराज न कर दे। साथ ही वह आमिर खान के प्रति सम्मान की भावना के चलते भी इस लाइन को बोलने में असहज महसूस कर रहे थे। विज्ञापन बनाने वाली टीम के लिए यह स्थिति मुश्किल बन गई। यहां तक कि फिल्म निर्देशक नितेश तिवारी, जिन्होंने आमिर खान के साथ ‘दंगल’ बनाई थी, उन्होंने भी इसे जोखिम भरा बताया। जब पूरी स्क्रिप्ट आमिर खान को सुनाई गई तो सभी को लगा कि वह शायद इस संवाद को हटाने के लिए कहेंगे। लेकिन आमिर खान ने उल्टा इस विचार को बेहद मजेदार बताया।

जब उन्हें बताया गया कि बुमराह इस वजह से शूट करने को तैयार नहीं हैं, तो आमिर खुद उनके पास पहुंचे और हंसते हुए बोले, "अबे मस्त है यार येज मजा आएगा, चल करते हैं। लेकिन मेरे सामने बोलना, पीठ पीछे मत बोलना।" आमिर खान की इस सहजता और हाजिरजवाबी ने जसप्रीत बुमराह को भी सहज कर दिया।

आखिरकार विज्ञापन शूट हुआ और रिलीज के बाद दर्शकों ने इसे खूब पसंद किया। बता दें कि आमिर खान अपने अभिनय के साथ-साथ विज्ञापनों में भी परफेक्शन के लिए जाने जाते हैं। वह हर प्रोजेक्ट में कुछ नया और यादगार करने की कोशिश करते हैं।

# कौन हैं सीरत कपूर? फैन ने बताया 'अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी' तो भड़कीं एक्ट्रेस, दिया ऐसा जवाब

एक्ट्रेस सीरत कपूर ने सोशल मीडिया पर एक यूजर को जमकर लताड़ा है। जानिए कौन हैं सीरत कपूर और क्या है पूरा मामला?

एक्ट्रेस सीरत कपूर ने सोशल मीडिया पर किए गए एक आपत्तिजनक कमेंट का जोरदार जवाब देकर लोगों का ध्यान खींच लिया है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने सीरत को अल्लू अर्जुन की ‘प्रोपर्टी’ कह दिया, जिसके बाद एक्ट्रेस ने चुप रहने के बजाय खुलकर अपनी बात रखी।

**यूजर ने एक्ट्रेस को कहा अल्लू अर्जुन की प्रोपर्टी**

हाल ही में सीरत कपूर ने ब्राउन लेसी आउटफिट में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की थीं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, ‘वीकेंड में बिल्कुल अपने ही अंदाज और खुशी के साथ एंट्री कर रही हूं।’ जहां ज्यादातर फैंस उनकी तारीफ कर रहे थे, वहीं एक यूजर ने कमेंट किया, ‘अल्लू अर्जुन की प्रोपर्टी।’ इसके साथ यूजर ने एक इमोजी भी शेयर किया।

**एक्ट्रेस ने दिया करारा जवाब**

इस कमेंट पर सीरत नाराज हो गईं और यूजर को जमकर लताड़ते हुए लिखा, ‘सिर्फ इमोजी लगाने से बात सम्मानजनक नहीं हो जाती। कोई भी महिला किसी की प्रॉपर्टी नहीं होती। उसकी अपनी पहचान, सपने और आवाज होती है। तारीफ कीजिए, लेकिन सम्मान के साथ।’

**फैंस ने किया एक्ट्रेस का सपोर्ट**

सीरत के इस जवाब की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। कई यूजर्स ने कहा कि उन्होंने ट्रोल्स को जवाब देने का सही तरीका दिखाया है। उनके इस रिप्लाई पर एक फैन ने लिखा, ‘ऐसे ही जवाब देना चाहिए,’ जबकि दूसरे ने कहा, ‘बहुत सही कहा।’

## आईपीएल 2026: दिल्ली कैपिटल्स के माधव तिवारी को मिला प्लेयर ऑफ द मैच, शानदार रहा प्रदर्शन

नईदिल्ली,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 55वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराया। धर्मशाला में हुए मैच में जीत के लिए मिले 211 रन के बड़े लक्ष्य को दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवर में हासिल किया। रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स की इस जीत में माधव तिवारी की अहम भूमिका रही, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आइए उनके प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने जब 170 रन के स्कोर पर अपना छठा विकेट खोया, तब माधव क्रीज पर आए। उन्होंने 8 गेंदों में 2 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 24 रन बनाए। उन्होंने आशुतोष शर्मा (24) के साथ मिलकर 7वें विकेट के लिए 14 गेंदों में 35 रन जोड़े। इससे पहले गेंदबाजी में उन्होंने 40 रन देते हुए 2 विकेट लिए थे। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली को आउट किया।

पंजाब किंग्स को प्रभसिमरन (18) और प्रियांश (56) ने मिलकर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद कप्तान अय्यर ने अर्धशतक (59*) लगाया। अंतिम ओवरों में कूपर कोनोली (38) और सूर्यांश शेडगे (29*) ने टीम को 210/5 के स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स को अभिषेक पोरेल (5) और केएल राहुल (9) दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इसके बाद कप्तान अक्षर पटेल (56) और डेविड मिलर (51) ने संघर्ष किया। आखिर में आशुतोष शर्मा (24) और माधव (18*) ने जीत दिलाई।

## ढाका टेस्टः मोमिनुल हक 5,000 रन बनाने वाले तीसरे बांग्लादेशी बने, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(ए.)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोमिनुल हक ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ ढाका के शेर-ए बांग्ला स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में शानदार अर्धशतकीय पारी (56) खेली। यह उनके टेस्ट करियर का 27वां अर्धशतक रहा। पारी का 50वां रन बनाते ही उनके टेस्ट क्रिकेट में 5,000 रन भी पूरे हो गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले बांग्लादेश के केवल तीसरे बल्लेबाज बने हैं। आइए उनके आंकड़े जानते हैं।

बांग्लादेश को अपनी दूसरी पारी में 15 रन के कुल स्कोर पहला झटका लग गया था। उसके बाद बल्लेबाजी पर आए मोमिनुल ने कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के साथ तीसरे विकेट के लिए 105 रन की शतकीय साझेदारी करते हुए टीम को संकट से बाहर निकाला। इस दौरान उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन उसके बाद वह बड़ी पारी नहीं खेल पाए। वह 120 गेंदों में 4 चौकों से 56 रन बनाकर आउट हुए।

मोमिनुल ने टेस्ट क्रिकेट में 5,000 रन पूरे करते ही विशेष सूची में जगह बना ली है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल तीसरे बांग्लादेशी क्रिकेटर हैं। बांग्लादेश के लिए सबसे अधिक टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड मुशफिकुर रहीम के नाम दर्ज हैं, जिन्होंने अब तक 101 टेस्ट की 186 पारियों में 6,590 से अधिक रन बनाए हैं। सूची में तमीम इकबाल (5,134) दूसरे नंबर पर है। अब मोमिनुल भी इस सूची में शामिल हो गए हैं।

मोमिनुल ने साल 2012 में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था। वह अब तक 76 टेस्ट मैच खेल चुके हैं, जिसकी 141 पारियों में 38.21 के औसत से 5,006 रन बनाने में सफल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 13 शतक और 27 अर्धशतक अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 181 रन का रहा है। वह अपने करियर में 10 बार नाबाद भी रहे हैं।

# 40 में सिर्फ 1 ओवर स्पिन.. फिर भी नहीं टूटा IPL का ये रिकॉर्ड, धर्मशाला में क्यों नजरअंदाज हुए स्पिनर्स?

नई दिल्ली(ए.)। आईपीएल 2026 में रोज नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, लेकिन 11 मई को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मुकाबले में ऐसा अनोखा आंकड़ा देखने को मिला जिसने सभी को हैरान कर दिया। दिल्ली ने मुकाबला जीत लिया, लेकिन चर्चा मैच से ज्यादा उस फैसले की रही जिसमें दोनों टीमों ने लगभग पूरे मैच में स्पिन गेंदबाजों को नजरअंदाज कर दिया। खास बात यह रही कि पूरे मुकाबले में सिर्फ तेज गेंदबाजों ने ही गेंदबाजी की और स्पिनर्स को मौका तक नहीं मिला। पंजाब ने अपने अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल को भी प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया। 39 ओवर के इस मुकाबले में एक भी ओवर स्पिन गेंदबाज से नहीं कराया गया। आईपीएल इतिहास में ऐसा बेहद कम देखने को मिला है। इससे पहले शुरुआती सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच हुए मैच में स्पिनर्स को लगभग नजरअंदाज किया गया था, जहां सिर्फ दो गेंदें स्पिनरों ने फेंकी थीं। उस मुकाबले में 39.4 ओवर तेज गेंदबाजों ने डाले थे और अब पंजाब-दिल्ली मैच ने फिर उसी रिकॉर्ड की याद दिला दी। मैच के बाद पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच सुनील जोशी ने टीम की रणनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि टाइम-आउट के दौरान स्पिन गेंदबाजों को आजमाने पर चर्चा हुई थी, लेकिन पिच और मौसम की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के पक्ष में थीं। उनका कहना था कि नई गेंद लगातार स्विंग कर रही थी और बल्लेबाजों को परेशानी हो रही थी, इसलिए कप्तान और टीम मैनेजमेंट ने पेस अटैक पर भरोसा बनाए रखने का फैसला किया।कोच ने कहा कि शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों ने टीम को शानदार शुरुआत भी दिलाई थी, लेकिन बीच में हुई एक बड़ी साझेदारी मैच का रुख बदल गई। उनके मुताबिक टीम ने विकेट निकालने की कोशिश की, लेकिन दिल्ली के बल्लेबाजों ने दबाव को अच्छी तरह संभाल लिया। लगातार चौथी हार के बाद पंजाब किंग्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम को अब आने वाले मुकाबलों में शानदार वापसी करनी होगी। हालांकि टीम मैनेजमेंट बड़े बदलाव के मूड में नजर नहीं आ रहा। कोच ने साफ किया कि टीम का संतुलन अच्छा है और खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

## पंजाब किंग्स की लगातार चौथी हार, दिल्ली कैपिटल्स ने 3 विकेट से दी मात

नई दिल्ली(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 55वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स को 3 विकेट से मात दे दी है. 211 रनों के लक्ष्य को दिल्ली ने कप्तान अक्षर और मिलर के अर्धशतक की बदौलत 19 ओवर में ही 7 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया.

अक्षर ने 30 गेंद में 56 और डेविड मिलर ने 28 गेंद में 51 रनों की पारी खेली. इसके अलावा आखिर में आशुतोष ने 10 गेंद में 24, माधव तिवारी 8 गेंद में 18 और आकिब नबी ने 2 गेंद में 10 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी. इस जीत के साथ दिल्ली के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना अभी भी जिंदा हैं. दिल्ली के अब 12 मैच में 5 जीत के साथ 10 पॉइंट्स हो गए हैं और वो अंक तालिका में 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं.

पंजाब के गेंदबाजों की तरफ से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 4 ओवर में 21 रन देकर दो विकेट हासिल किए. इसके अलावा दूसरे सभी गेंदबाजों ने 10 से ऊपर की औसत से रन खर्च किए. जिसकी वजह से पंजाब 210 रनों को डिफेंड नहीं कर सका.वहीं दूसरी ओर ये पंजाब किंग्स की लगातार चौथी हार है. लेकिन वो 11 मैच में 6 जीत के साथ चौथे स्थान पर बरकरार है. आज के मैच को जीतकर उसे पहले स्थान पर पहुंचने का सुनहरा मौका था, लेकिन वो इसको हासिल करने से चूक गए. इससे पहले पंजाब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाए. जिसमें प्रियांश आर्या के तेज तर्रार 33 गेंद में 2 चौके और 6 छक्के की मदद से 56 रन सबसे खास थे. इसके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर 36 गेंद नें 59 रन बनाकर नाबाद रहे।

# आईपीएल 2026 के दो फाइनलिस्ट के नामों का खुलासा करके गावस्कर ने चौंकाया

नई दिल्ली(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां सीजन धीरे धीरे अपने समापन की ओर बढ़ रहा है. अब तक दस टीमों में से दो टीमें - मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स - प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. इस बीच भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2026 सीजन के फाइनलिस्ट को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है. उनका मानना है कि पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस बार भी फाइनल खेलेगी. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में 14 पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंच गई है. जबकि पंजाब किंग्स, जिसने सीजन की शुरुआत जोरदार तरीके से की थी और अपने पहले सात मैचों में अजेय रही थी, अब लगातार तीन हार के बाद वापसी की तलाश में है. फिर भी वो 13 पॉइंट्स लेकर अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है, क्योंकि वह अभी पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है. गावस्कर ने कहा. मैं अब भी पंजाब किंग्स का ही साथ दूंगा. कभी-कभी, कुछ हारें असल में टीम को फिर से तैयार होने और अति-आत्मविश्वास से बचने में मदद कर सकती हैं. पंजाब को पता होगा कि टूर्नामेंट का यह चरण कितना महत्वपूर्ण है, और वे एक और हार के साथ अपने मन में कोई शक पैदा नहीं होने देना चाहेंगे. मुझे अब भी पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ही इस सीजन के फाइनलिस्ट लगते हैं. बता दें कि पंजाब किंग्स आज शाम धर्मशाला के खूबसूरत एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी. गावस्कर ने पांच बार की विजेता टीम मुंबई के बाकी बचे सीजन के लिए उनकी रणनीति पर विस्तार से बात की और कहा कि यह युवा खिलाड़ियों को मौका देने का सही समय हो सकता है. उन्होंने कहा, टी 20 क्रिकेट में, उतार-चढ़ाव तो आते ही रहते हैं. जब सीजन खत्म हो जाता है, तब यह सही समय होता है कि ठीक से यह देखा जाए कि क्या गलत हुआ. लेकिन इस चरण में, मेरा मानना है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपना सब कुछ झोंक दिया है. अब, बाकी बचे मैचों में युवा खिलाड़ियों को मौका देना सही हो सकता है. इससे फ्रैंचाइजी को यह समझने में मदद मिलेगी कि ये युवा खिलाड़ी दबाव को कैसे संभालते हैं और क्या वे उन पर दिखाए गए भरोसे को सही साबित कर पाते हैं.

## आईपीएल 2026: एमएस धोनी की वजह से जड़ा तूफानी अर्धशतक, उर्विल पटेल का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली(ए.)। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी चोट के कारण इस सीजन अभी तक एक भी मैच नहीं खेल सके हैं. लेकिन उनका खिलाड़ियों के साथ प्रैक्टिस करना और ड्रेसिंग रूम शेयर करना फायदेमंद साबित हो रहा है. हाल ही में उर्विल पटेल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल इतिहास की ज्वाइंट फास्टेस्ट फिफ्टी जड़ी, जिसका श्रेय उन्होंने धोनी की एक सलाह को दी.पिछली कुछ पारियों में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहने के बाद, उर्विल ने बताया कि ड्रेसिंग रूम में धोनी के साथ हुई बातचीत ने उन्हें अपने खेल में फिर से स्पष्टता और आत्मविश्वास हासिल करने में मदद की.आईपीएल द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में उर्विल ने कहा, जब मैं कुछ मैचों में जल्दी आउट हो गया था, तब मैंने माही भाई से बात की थी. हम ड्रेसिंग रूम में साथ बैठे थे और मैंने उनसे पूछा, मैं जल्दी आउट हो रहा हूं, अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए मुझे क्या करना चाहिए उन्होंने सिर्फ एक बात कही, मुझे तुम्हारी काबिलियत पर कोई शक नहीं है. अगर कोई शक है, तो वह तुम्हारे दिमाग में है. इसलिए बस अपना दिमाग साफ रखो और सही गेंद को सही जगह पर मारने की कोशिश करो. उर्विल पटेल ने 13 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया. लेकिन उनकी पारी सिर्फ 23 गेंदों में 65 रन बनाकर खत्म हो गई.

# विदेश समाचार

## अमेरिकी हमलों से ईरान को बचाता रहा पाकिस्तान, विमानों को अपने सैन्य अड्डों पर छिपाया

इस्लामाबाद, (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े युद्ध में पाकिस्तान दोहरी भूमिका निभा रहा था। वह एक तरफ मध्यस्थता करा रहा था और दूसरी तरफ ईरान के विमानों को हमलों से बचा रहा था।

यह खुलासा सूत्रों ने किया है, जिसने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान ने युद्ध के बीच, चुपचाप ईरानी सैन्य विमानों को अपने हवाई अड्डों पर खड़े होने की अनुमति दी थी ताकि उन्हें अमेरिकी हवाई हमलों से बचाया जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पाकिस्तान के अलावा उसके पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी विमान खड़े किए थे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं कि वे सैन्य विमान थे। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब अप्रैल की शुरुआत में ईरान के साथ युद्धविराम की घोषणा की थी, उसके कुछ दिन बाद तेहरान ने कई विमान पाकिस्तानी वायुसेना के नूर खान सैन्य अड्डे पर भेजे थे। यह रावलपिंडी में छावनी शहर के बाहर स्थित है।

ईरान ने वायुसेना का आरसी -130 टोही विमान भी

पाकिस्तान में छिपाया था, जो लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस सामरिक परिवहन विमान का खुफिया निगरानी संस्करण है। एक अफगानी उड्डयन अधिकारी ने बताया कि युद्ध शुरू होने से कुछ समय पहले महान एयर का नागरिक विमान काबुल में उतरा था और काफी समय तक हवाई अड्डे पर ही खड़ा था। पाकिस्तान का यह प्रयास बताता है कि उसका उद्देश्य अमेरिकी हमलों से ईरान की शेष विमानन और सैन्य संपत्तियों की रक्षा करना था।पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावों को खारिज करते हुए कहा कि नूर खान बेस शहर के ठीक बीच में स्थित है, वहां खड़े विमानों के विशाल बेड़े को जनता की नजरों से छिपाया नहीं जा सकता। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता ज़बिहुल्लाह मुजाहिद ने भी अफगानिस्तान में किसी भी ईरानी विमान की मौजूदगी से इनकार करते हुए कहा कि यह सच नहीं है और ईरान को ऐसा करने की जरूरत नहीं है।रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक्स पर पाकिस्तान की भूमिका पर चिंता जताई है। उन्होंने लिखा, अगर यह रिपोर्टिंग सही है, तो ईरान, अमेरिका और अन्य पक्षों के बीच मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान द्वारा निभाई जा रही भूमिका का पूरी तरह से पुनर्मूल्यांकन करना आवश्यक होगा। इजरायल के प्रति पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों के कुछ पूर्व बयानों को देखते हुए, अगर यह सच होता है तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

## इजरायली हमले में लेबनान के 6 लोगों की मौत और 7 घायल

बेरूत (आरएनएस)। लेबनान के दक्षिणी हिस्से पर इजरायली हमले जारी हैं। एक कस्बे पर इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बेका में दुश्मन सेना की ओर से निकासी चेतावनी जारी करने के कुछ ही घंटों बाद, दुश्मन के युद्धक विमानों ने पश्चिम बेका के सहमार कस्बे को निशाना बनाया।

## कैलिफोर्निया में मेयर बन गई थी चीन की जासूस! ड्रैगन की चाल से उड़े अमेरिका के होश

कैलिफोर्निया/अमेरिका (आरएनएस)। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने कैलिफोर्निया के आर्केडिया शहर की मेयर ईलीन वांग पर चीन के लिए अवैध एजेंट के तौर पर काम करने का गंभीर आरोप लगाया है। संघीय अदालत में वांग के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एफबीआई के मुताबिक, ईलीन वांग ने साल 2020 से 2022 के बीच चीन सरकार के अधिकारियों के निर्देश पर काम किया और अमेरिका में चीन के हितों को बढ़ावा देने की कोशिश की। वांग पर हुए इस खुलासे के बाद अमेरिकी प्रशासन के होश उड़े हुए हैं।

एफबीआई के मुताबिक, ईलीन वांग और याओनिंग माइक सन नाम के शख्स ने चीन की सरकार के इशारे पर अमेरिका में रह रहे कुछ लोगों के साथ मिलकर जमकर प्रॉपेगैंडा फैलाया। इसके लिए उन्होंने यूएस न्यूज़ सेंटर नाम की वेबसाइट का इस्तेमाल किया, जिसे स्थानीय चीनी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक न्यूज प्लेटफॉर्म बताया जाता था। जांच एजेंसियों का कहना है कि इस वेबसाइट पर चीन समर्थक सामग्री चीन सरकार के निर्देश पर प्रकाशित की जाती थी।, 58 साल की ईलीन वांग ने इस मामले में लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया है। इस अपराध में अधिकतम 10 साल तक की सजा हो सकती है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, वांग सोमवार दोपहर लॉस एंजिलिस स्थित अमेरिकी जिला अदालत में पेश होंगी और आने वाले हफ्तों में औपचारिक रूप से अपना गुनाह कबूल कर सकती हैं। बता दें कि ईलीन वांग नवंबर 2022 में आर्केडिया सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं। यह 5 सदस्यों वाली परिषद है, जिसमें बारी-बारी से मेयर चुना जाता है।चीन की एजेंट के तौर पर फंसने के बाद वांग ने आर्केडिया सिटी काउंसिल और मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। न्याय विभाग ने अपने बयान में बताया कि जून 2021 में चीन के एक अधिकारी ने वीचैट ऐप के जरिए वांग और अन्य लोगों को पहले से तैयार न्यूज आर्टिकल भेजे थे।

## अगर दोबारा हमला हुआ तो 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन करेंगे : ईरान

तेहरान(आरएनएस)। पश्चिम एशिया संकट फिर गहराने लगा है। अमेरिका के प्रस्तावों का ईरान की ओर से दिया जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया तो तल्ख बयानों की झड़ी लग गई। इस बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उस पर दोबारा हमला किया गया तो वह यूरेनियम संवर्धन की दर 90 प्रतिशत कर देगा। ईरानी संसद की कमीशन के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने दावा किया कि इस विकल्प पर संसद में समीक्षा की जाएगी। उन्होंने 90 प्रतिशत संवर्धन की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। यूरेनियम को 90 प्रतिशत तक समृद्ध करना हथियार स्तर का संवर्धन माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के मुताबिक ईरान पहले ही 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर चुका है, जो वेपन ग्रेड के काफी करीब माना जाता है। इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का बयान भी बढ़ते तनाव और टकराव की तस्दीक करता है। उन्होंने कहा है कि ईरान में बड़े पैमाने पर मिलिट्री एक्शन के दोबारा होने की पूरी आशंका है।ट्रंप के पहले चरण के दौरान नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर रहे एच.आर. मैकमास्टर का अनुमान है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू होगा। सीएनएन के एक शो में उनसे ट्रंप के उस बयान को लेकर सवाल किया गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ सीजफायर लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर है। यानी ये अत्यंत कमजोर स्थिति में है। सुर्खियों में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की टिप्पणी भी है। जिन्होंने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि ईरान के साथ युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक देश के पास बहुत ज्यादा संवर्धित यूरेनियम का भंडार है।

**कार्यालय, प्राचार्य शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सीहोर (म.प्र.)**

Phone : 07562-292337 Email : prinwpoly.seh@mp.gov.in
Website : www.gwpcs.org

**शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में**

**अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं हेतु निःशुल्क प्रवेश का सुनहरा अवसर**

(डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनांतर्गत संचालित)

:: संचालित त्रिवर्षीय रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पात्रता ::

मार्डन ऑफिस मैनेजमेंट (M.O.M) कक्षा 10वीं उत्तीर्ण

कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (C.S.E.) कक्षा 10वीं उत्तीर्ण

**उपलब्ध विशेष सुविधाऐं**

1. छात्राओं को निःशुल्क छात्रावास एवं भोजन।
2. प्रति छात्रा प्रति सेमेस्टर रू0 2000/- की स्टेशनरी एवं पुस्तकें निःशुल्क।
3. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल की परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति।
4. प्रत्येक छात्रा को जिसकी उपस्थिति कक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक होगी उन्हें रू0 1000/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति/प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी।

**प्रवेश प्रक्रिया**

dte.mponline.gov.in पर डॉ0 बाबा साहाब अम्बेडकर योजनांतर्गत डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत निम्न तालिका अनुसार रजिस्ट्रेशन कराना है अथवा संस्था में उपस्थित होकर भी पंजीयन करा सकते है।

**प्रथम चरण**

| गतिविधियां | दिनांक |
|---|---|
| ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन की तिथि | 04/05/2026 से 29/05/2026 रात्रि 11:45 बजे तक |
| रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात् केवल एक बार उपलब्ध रहेगी। | 30/05/2026 से 31/05/2026 रात्रि 11:45 बजे तक |
| संस्थाओं के (प्राथमिकता(Choice Filling)का ऑनलाईन चयन कर, लॉक करना प्राथमिकता में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी। | 15/05/2026 से 02/06/2026 रात्रि 11:45 बजे तक |
| कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता | 03/06/2026 |
| आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश) | 08/06/2026 से 13/06/2026 सायं 6:30 बजे तक |

**प्रवेश हेतु सम्पर्क मोबाईल नंबर**

(1) 7987923930 (2) 9827046409 (3) 9926008892 (4) 9827220431 (5) 7000395835
(6) 9977457488 (7) 9893793448 (8) 9691360884 (9) 9977205763 (10)9993211836

जी/12738/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

प्राचार्य
शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय,
सीहोर ( म.प्र. )

## आज करोड़ों रुपए के निर्माण कार्यों का विधायक सुदेश राय करेंगे भूमि पूजन और लोकार्पण

सीहोर (निप्र)। आज भूमिपूजन, लोकार्पण कार्यक्रम होंगे। विधायक सुदेश राय बुधवार को दौरे पर रहेंगे। विधानसभा क्षेत्र के हर गांव तक सड़क और हर घर तक विकास के संकल्प को पूरा करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में विधायक सुदेश राय सीधे जनता से फीडबैक लेंगे। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बाउंड्री वॉल और सड़क निर्माण सहित कमरों के निर्माण का भूमि पूजन लोकार्पण विधायक सुदेश राय करेंगे। सरपंच भाजपा नेता कार्यकर्ता ग्रामीण जन विधायक सुदेश राय का स्वागत कर आभार व्यक्त करेंगे। ग्राम वासियों के द्वारा मुंगावली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक सुदेश राय स्थानीय जनपतिनिधियों

बुजुर्गों माता बहनों की विशेष उपस्थिति में 54 लाख 38 हजार रूपए से बनने वाले 2 कक्ष, 2 लैब, व बाउंड्रीवाल निर्माण का भूमि पूजन करेंगे। इसी प्रकार दोपहर 1 बजे विधायक सुदेश राय की विशेष उपस्थिति में ग्राम सेमरादांगी से बरखेड़ा रोड निर्माण का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न होगा । इस सड़क की लंबाई - 3.8 किलोमीटर होगी सड़क निर्माण पर 356.08 लाख रुपए खर्च आएगा। दोराहा नहर से चैनपुरा तक हुए डामरीकरण कार्य का लोकार्पण विधायक सुदेश राय करेंगे। इस सड़क निर्माण पर 75.05 लाख रूपए की लागत आई है। अहमदपुर ग्राम पंचायत में 2 कक्ष, 2 लैब, व गेट का निर्माण -64.91 लाख रुपए से किया जाएगा। कार्यक्रम पूजन कर्यक्रम विधायक राय की उपस्थिति में संपन्न होगा। विधानसभा क्षेत्र के चरनाल में 2 करोड़ 95 लाख रुपए से बने आयुष्मान आरोग्य मंदिर नवीन भवन का विधायक सुदेश राय शुभारंभ करेंगे। शाम 4 बजे श्यामपुर में 7 कक्ष, बाउंड्री वाल, शौचालय व रोड निर्माण का भूमिपूजन कार्यक्रम होगा। इस कार्य की लागत 108.62 लाख रुपए है।

# "ज्ञान भारतम" एप पर दर्ज हुई 101 प्राचीन पांडुलिपियां

### डिजिटल संरक्षण से सुरक्षित होगी जिले की सांस्कृतिक और ज्ञान विरासत

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में संरक्षित 101 प्राचीन पांडुलिपियों का विवरण ज्ञान भारतम एप पर अपलोड किया गया। इसके साथ ही सारू-मारू की गुफाओं में स्थित सिलालेख को भी ज्ञान भारतम एप पर अपलोड किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य दुर्लभ धार्मिक, ऐतिहासिक एवं ज्ञानवर्धक पांडुलिपियों को डिजिटल माध्यम से सुरक्षित कर आने वाली पीढ़ीयों तक पहुंचाना है। इस अवसर पर मंदिर में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन किया गया तथा उनकी विषय-वस्तु, भाषा, संरक्षण की स्थिति एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों को एप पर अपलोड किया गया। कई पांडुलिपियां वर्षों पुरानी हैं, जिनमें भारतीय ज्ञान परंपरा, धर्म, दर्शन, संस्कृति एवं समाज से जुड़ी अमूल्य जानकारी सुरक्षित है। समय के साथ कागज एवं हस्तलिखित दस्तावेज नष्ट होने लगते हैं, ऐसे में उनका डिजिटल दस्तावेजीकरण अत्यंत आवश्यक हो जाता है। ज्ञान भारतम एप जैसी पहलें न केवल धरोहर संरक्षण का माध्यम बन रही हैं, बल्कि शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान से जोड़ने का कार्य भी कर रही हैं। डिजिटल संरक्षण से दुर्लभ पांडुलिपियां विश्व स्तर पर भी अध्ययन और शोध के लिए उपलब्ध हो सकेंगी। यह पहल हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के नागरिकों से अपील है की कि वे अपने घरों, मंदिरों एवं निजी संग्रहों में सुरक्षित प्राचीन दस्तावेजों, पांडुलिपियों और ऐतिहासिक सामग्री को संरक्षित एवं डिजिटल रूप से सुरक्षित करने के लिए आगे आएं, ताकि हमारी गौरवशाली विरासत आने वाली पीढीयों तक सुरक्षित पहुंच सके।

## आधार पंजीयन किट उपलब्ध कराने संबंधी

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी में आधार पंजीयन कार्य हेतु आधार पंजीयन किट की आवश्यकता है । जिन व्यक्तियों के पास भी आधार पंजीयन किट उपलब्ध है एवं वे अपनी किट जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी सीहोर को निशुल्क प्रदाय करना चाहते है तो वे अपनी मशीन सोसायटी को दिनांक 18 मई 26 से 01 जून 26 तक विधिवत जानकारी सहित प्रदाय कर सकते हैं । मशीन प्रदाय करने वाले व्यक्ति को जिले में आधार कार्य करने हेतु अवसर प्रदान किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए सीहोर जिले की वेबसाईट https:/ sehore. nic.in पर विस्तृत जानकारी देख सकते हैं या जिला ई-गवर्नेंस कार्यालय सीहोर में संपर्क कर सकते हैं।

## कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 45 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में एसडीएम तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## भरणी नक्षत्र में मनाया जायेगा न्यायधीश शनिदेव का जन्मोत्सव शनिश्चरी अमावस्या व वट सावित्री पूजा का संयोग

सीहोर (निप्र)। नवग्रह में भगवान शनिदेव को अपने इष्ट देव भगवान शंकर से आशीर्वाद प्राप्ति में न्यायधीश का दायित्व मिला है द्य न्यायाधीश शनिदेव तीनो लोको के प्राणियों के जीवन में उनके किये गये कर्मो के आधार पर फल प्रदान करते है इसलिए शनिदेव कर्मफल दाता है द्य भगवान सूर्यदेव उनके पिता और छाया माता के वह पुत्र है द्य भगवान शनिदेव का जन्म ज्येष्ठ मास कृष्णपक्ष अमावस्या को हुआ है पंडित सुनील शर्मा के अनुसार इस बार यह संयोग 16 मई शनिवार भरणी नक्षत्र में शनिश्चरी अमावस्या को रहेगा। पूरे जिलेभर मंदिर देवालय मे श्रद्धा उत्साह के साथ भगवान शनिदेव का जन्मोत्सव मनाया जायेगा।

## अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरु के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई इछावर एवं आष्टा क्षेत्र में की गई। जिला खनिज अधिकारी महेंद्र चैहान ने बताया कि संयुक्त दल ने तहसील इछावर में रेत के अवैध परिवहन में संलग्न 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर थाना इछावर की अभिरक्षा में सौंपे। वहीं तहसील आष्टा के अंतर्गत एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चौकी अमलाहा की अभिरक्षा में दिया गया। प्रशासन द्वारा सभी जब्त वाहनों के विरुद्ध खनिज नियमों एवं प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर जुर्माना अधिरोपित करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध संयुक्त टीम की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

## श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी में नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर विशेषज्ञों ने दी फोटोनिक्स कंप्यूटिंग की जानकारी

सीहोर (निप्र)। श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज के कैंपस में नेशनल टेक्नोलॉजी डे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण के लिए फोटोनिक्स कंप्यूटिंग विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान रहा। मुख्य वक्ता और विषय

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बेंगलुरु के प्रिंसिपल इंजीनियर डिज़ाइन मिस्टर अभिजीत चटर्जी थे। उन्होंने हाइब्रिड मोड ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित किया। मिस्टर चटर्जी ने बताया कि कैसे प्रकाश की किरणों का उपयोग करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की गति और क्षमता को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने भविष्य की तकनीक में फोटोनिक्स के महत्व और एआई के क्षेत्र में इसके क्रांतिकारी बदलावों पर प्रकाश डाला। इनके मार्गदर्शन में हुआ आयोजन यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के वरिष्ठ नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, प्रो. मुकेश तिवारी कुलगुरु, डॉ. राजेश शर्मा कुलसचिव, डॉ. संजय राठौर परीक्षा नियंत्रक, डॉ. राजेंद्र कुशवाह डीन, इंजीनियरिंग कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में डॉ. रंजीत कुमार पुसे संयोजक व सह-संयोजक डॉ. गीता खूबचंदानी, डॉ. नीलेश दिवाकर, और डॉ. मोहित गंगवार, की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का समन्वय मिस्टर देश दीपक श्रीवास द्वारा किया गया। सहभागिता इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के संकाय सदस्य, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। ऑफलाइन माध्यम के साथ-साथ कई प्रतिभागी ऑनलाइन मोड से भी इस तकनीकी ज्ञान सत्र का हिस्सा बने। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने आधुनिक युग में तकनीकी नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया।

## ग्राम पंचायत नादान की महिलाओं ने शराब के ठेके का स्थान परिवर्तन को लेकर कलेक्ट्रेट व तहसील कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले की इछावर तहसील की ग्राम पंचायत नादान में निवासरत महिलाओं ने सामूहिक रूप से उपस्थित होकर एसपी, कलेक्टर व तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जिसमें बताया गया है कि वर्तमान में ग्राम नादान में ग्राम के अंदर मुख्य मार्ग पर शराब दारु का ठेका संचालित है। जिसके कारण स्थानीय निवासियों द्वारा शराब पीकर ग्राम के अंदर उपद्रव एवं लड़ाई झगड़ा आदि करते हैं। जिससे गांव में रोजाना भय का वातावरण बना रहता है तथा शराबी लोगों द्वारा ग्राम की महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। स्थानीय शराबी लोगों द्वारा रोजाना शराब पीकर ग्राम के मेन रोड पर ठेका होने के कारण आने जाने वाले लोगों को गाली गलौज व गंदी हरकतें करते हैं जिसके कारण ग्राम के लोगों को अपमानजनक महसूस होता है । शराब पीकर स्थानीय लोगों द्वारा घर में रखे खाने का अनाज एवं अन्य सामग्री बेचकर शराब का सेवन करते हैं। जिससे परिवार में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो रही है। इस मौके पर ग्राम पंचायत नादान की महिलाओं में आरती सौंलकी, सुगन बाई, सम्पत बाई, सुनीता बाई, आशा, ओमवती बाई, लाड़सिंह कटारिया, अमरवती बाई, चिंता बाई, सुशीला बाई, सुषमा बाई, सोनिया बाई, सुमन बाई, मधु बाई, कृष्णा सूर्यवंशी आदि मोजूद रही है।

## ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 929 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 12 मई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 567 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 362 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 133 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

## रोजगार मेले में हुआ 329 आवेदकों का प्राथमिक चयन

### 3 लाख 75 हजार रुपये के ऋण वितरित

सीहोर (निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सीहोर के महिला आईटीआई में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया गया। रोजगार मेले में 360 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया जिनका विभिन्न कंपनियों द्वारा इंटरव्यू लिया गया। मेले में 13 कंपनियों द्वारा 329 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को 3,75,000 रूपये का ऋण का स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर हरेंद्र ठाकुर, योगेंद्र पटेल, प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी स्वप्निल श्रीवास्तव, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक अनुराग वर्मा, प्रबंधक संदीप उईके, मनीष अलावा, विवेक यादव सहित अन्य अधिकारी एवं युवा उपस्थित थे।

## बहुजन मुक्ति पार्टी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्ट्रेट कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

सीहोर (निप्र)। बहुजन मुक्ति पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में आव्हान पर केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के विरोध में तीन चरणों में देश के 625 जिलों में राष्ट्रव्यापी आंदोलन जिलाधिकारी कार्यालयों पर किया जा रहा है । इसी कड़ी में सीहोर जिलाध्यक्ष जितेन्द्र मालवीय के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन के साथ ही बड़ते हुए विद्युत बिलों एवं स्मार्ट मीटर के विरोध में लालटेन भी सौंपा गया।

श्री मालवीय ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा महंगाई, बेरोजगारी प्रतिदिन निर्माण की जा रही है। स्मार्ट मीटर द्वारा अधिकतम बिजली बिल उपभोक्ताओं पर थोपा जा रहा है।

## सीवन पुत्र और सीवन वन योद्धाओं के जज्बे ने महिला घाट हाथी घाट एवं बैगन घाट की दशा और दिशा को बदल कर रख दिया

सीहोर (निप्र)। दिन सोमवार को 40 वा दिवस जहां पर सारे सीवन योद्धा एवं जीवन पुत्रों की सफलता पर जश्न मनाया गया पहले हनुमान फाटक फिर महिलाघाट हाथी घाट और बैगन घाट की दशा को बदलकर रख दिया जब कई सालों से हालत बहुत दयनीय थे जब से सीवन पुत्रों ने सीवन के लिए संकल्प लिया है लगातार एवं सतत रूप से जीवन के मूल स्वरूप को एवं सीवन के पूर्ण उद्धार को लेकर काम कर रहे हैं और उसका परिणाम भी अब दीखने लगा है जहां हनुमान फाटक पर विगत 9 दिनों से जोरदार तरीके से गहरीकरण का काम चल रहा है वही लक्कड़पुल क्षेत्र में पिचिंग का काम जोरों शोरों से चल रहा है वही सीवन योद्धा महिला घाट रामघाट हाथी घाट एवं बैगन घाट को चमकाने में लगे हैं कहां जाता है कि जीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि सीवन पुत्र एवं सीवन योद्धाओं की मेहनत का परिणाम है और लगातार सीवन पर हो रहे कार्यक्रम दिल से बच्चों से लेकर वृद्ध तक भावनात्मक रूप से जोड़ लिया है वही सीवन पुत्र अपने संकल्प को लेकर जीवन को मूल स्वरूप देने में लगे आज सिवान योद्धा के सम्मान के अवसर पर सिवान उद्धार के वरिष्ठ सदस्य महिपाल जैन हनुमान फाटक धाम पहुंचे और वहां पर सीवन योद्धाओं का सम्मान किया सम्मान करते समय सीवन पुत्र राजकुमार सोनी सील राय मुकेश राय कैलाश चौहान लक्ष्मण सिंह चौकसे आकाश यादव वैभव राठौर कनीराम मालवीय जगदीश वर्मा प्रदीप चावड़ा मुकेश सोनी सुधीर सोनी रोहित वशिष्ठ अनुज भावसार तनिष्क चावड़ा चीना भावसार रवि भावसार दीपक केवट आदि उपस्थित रहे

## बिजली कंपनी द्वारा 14 मई को आयोजित शिविरों में किया जाएगा बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण

सीहोर (निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। विद्युत वितरण केन्द्रवार बनाए गये कलस्टरों पर आगामी निर्धारित तिथियों पर शिविर लगाये जाएंगे। शिविरों में बिजली उपभोक्ताओं की बिल, मीटर, सर्विस केबल, कनेक्शन एवं तकनीकी सेवाओं संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। प्रथम कलस्टर अंतर्गत 14 मई को सीहोर के वार्ड नं. 03 स्थित जोन 01 के वितरण केन्द्र और वार्ड नं 04 स्थित जोन 02 के वितरण केंद्रों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्राम हिनोती, ग्राम कालियाखेड़ी, ग्राम भाउखेड़ी, ग्राम कचनारिया, ग्राम आलमपुरा, ग्राम बोरदीकला, ग्राम बगजखेड़ा, ग्राम बिछनी, ग्राम सिराड़ी, ग्राम करंजखेड़ा, नापलाखेड़ी, ग्राम अर्नि यासुल्तानपुर, ग्राम अब्दुल्लापुर में शिविर लगाए जाएंगे। इसी प्रकार आष्टा के घनश्यामपुरा, ग्राम जगन्नाथपुरा, ग्राम हकीमाबाद, ग्राम छायानखुर्द, ग्राम सिंगारचोरी, ग्राम कचनारिया, ग्राम सुलखेड़ी, ग्राम झिलेला, ग्राम निमावरा में शिविर लगाए जाएंगे।

## पंजीकृत श्रमिकों के लिए संजीवनी बनीं शासकीय योजनाएं

### श्री और श्रमणा पहल से मिल रहा सम्मान

सीहोर (निप्र)। प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक कल्याणकारी कदम उठाए जा रहे हैं। श्रम विभाग और विभिन्न बोर्ड्स के माध्यम से अब श्रमिकों को जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक हर कदम पर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। इनमें प्रसूति सहायता 16 हजार, बेटियों के विवाह के लिये अनुदान 49 हजार रूपये और 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क चिकित्सा लाभ (आयुष्मान भारत) शामिल है। इसके अतिरिक्त श्रमिकों के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देने के लिए विदेश अध्ययन योजना के तहत 40 हज़ार डॉलर तक की सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही अधिकतम 10 हजार यू.एस. डॉलर प्रतिवर्ष बतौर वार्षिक निर्वाह भत्ता भी प्रदान किया जाता है। राज्य एवं संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 50 हज़ार रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। श्रमिकों के आवास निर्माण के लिए एक लाख रूपये तक, ई-स्कूटर खरीदी के लिए 40 हजार रूपये तक और औजार अनुदान भी सीधे उनके बैंक खातों (DBT) में भेजा जा रहा है। पात्र श्रमिक निर्धारित समय-सीमा के भीतर श्रम सेवा पोर्टल या लोक सेवा केंद्र के माध्यम से इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।

सुरक्षा और संपूर्ण गारंटी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी इन योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए शासन द्वारा श्री (SHREE) अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष जनसंपर्क और आउटरीच अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर जागरूकता फैलाई जा रही है, जिससे अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन हो और कोई भी शिक्षा, स्वास्थ्य या पेंशन के लाभ से वंचित न रहे। इसके साथ ही कार्यस्थल पर श्रमिकों विशेषकर महिला श्रमिकों की गरिमा, सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए श्रमणा योजना भी संचालित की जा रही है। योजना में कार्यस्थलों पर पेयजल, विश्राम स्थल, बच्चों की देखभाल (चाइल्डकेयर) और सुरक्षित वातावरण जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे महिला श्रमिकों को एक अनुकूल और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

## मनरेगा में 18 साल पहले स्वीकृत मुंगावली से शेखपुर पक्की सड़क बनते देखने के इंतजार में हो गई 11 किसानों की मौत

सीहोर (निप्र)। मुंगावली से शेखपुर तक पक्की सड़क नहीं है। मनरेगा योजनांतर्गत सड़क स्वीकृत हो चुकी है। किसान 18 सालों से सड़क निर्माण की प्रतिक्षा कर रहे है। इस बीच 11 से अधिक किसानों की मौत भी हो चुकी है। सिस्टम की बेरूखी के कारण 4 किलोमीटर सड़क आज तक नही बनी है। बारिश आते ही कच्ची सड़क से जुड़े सौ से अधिक किसानों की मुसीबते शुरू हो जाती है। अतिक्रमणकारियों ने भी कच्ची सड़क के दोनों तरफ कब्जा कर लिया है। गांव के सौ किसान हैरान परेशान बने हुए है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी केवल अबतक किसानों को आश्वासन हीं दिया है। जनसुनवाई में पहुंचकर किसानों ने बारिश से पहले सड़क बनवाने की गुहार कलेक्टर से लगाई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे मुंगावली और शेखपुर के किसानों ने कहा कि गांव में सड़क नहीं बनने देने को लेकर बीते 18 सालों से राजनीति की जा रही है। शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 50 एवं अन्य सर्वे नंबरों पर सड़क निर्माण की मांग उठाने वाले किसानों को अतिक्रमणकारी डरा धमका कर चुप करा देते है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com